



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

खण्ड : 48

शिमला, शनिवार, 5 फरवरी, 2000/16 माघ, 1921

संख्या : 6

	विषय सूची	
भाग-1	वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि ..	154—179 तथा 198
भाग-2	वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि ..	180—182
भाग-3	अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाईनेन्शियल कमिशनर तथा कमिशनर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि ..	182—188
भाग-4	स्थानीय स्वायत्त शासन, म्यूनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग ..	—
भाग-5	वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन .. .. .	188—197
भाग-6	भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन .. .. .	—
भाग-7	भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं .. .. .	—
—	अनुपूरक .. .. .	—

5 फरवरी, 2000/16 माघ, 1921 को समाप्त होने वाले सप्ताह में निम्नलिखित विज्ञप्तियां 'असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश' में प्रकाशित हुईं:—

विज्ञप्ति की संख्या	विभाग का नाम	विषय
संख्या गृह (ए) ए (9)-21/99, दिनांक 6 जनवरी, 2000.	गृह विभाग	श्री वी० के शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश (नियम), हिमाचल प्रदेश न्यायालय को 15 नवम्बर, 1994 को बरमाणा, जिला बिलासपुर में भूतपूर्व सैनिक ट्रांसपोर्ट यूनियन के सदस्यों पर लाठी-चार्ज की घटना पर जांच आयोग की नियुक्ति इसके अंग्रेजी पाठ सहित प्रकाशित ।
संख्या ई०एस०एन०-ए०(३)-15/93, दिनांक 14 जनवरी, 2000.	आवकारी एवं कराधान विभाग	हिमाचल प्रदेश आवकारी एवं कराधान विभाग में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 इसके अंग्रेजी पाठ सहित प्रकाशन ।

भाग-1-वैधानिक नियमों को छोड़कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट

Shimla-1, the 18th January, 2000

## NOTIFICATIONS

Shimla-1, the 14/15th January, 2000

No. HHC/GAZ/Admn. 3(3)/72-I-1328.—The Hon'ble Chief Justice is pleased to sanction *ex-post-facto* 20 days commuted leave w.e.f. 29-11-1999 to 18-12-1999 with permission to prefix holidays falling on 28-11-1999 and to suffix holiday falling on 19-12-1999 in favour of Shri Govind Sharma, Deputy Registrar (Judicial) of this court.

Certified that Shri Govind Sharma has joined the same post and at the same station from where he had proceeded on leave, after expiry of the above leave period.

Certified that Shri Govind Sharma, Deputy Registrar would have continued to officiate the same post from where he proceeded on leave.

Shimla-1, the 14/15th January, 2000

No. HHC/GAZ/Admn. 3(208)/84-II-1331.—The Hon'ble Chief Justice is pleased to sanction *ex-post-facto* 39 days earned leave w.e.f. 24-11-1999 to 1-1-2000 with permission to prefix holiday falling on 23-11-1999 and to suffix holiday falling on 2-1-2000 in favour of Shri Bhag Chand Sharma, Secretary of this court.

Certified that Shri Bhag Chand Sharma has joined the same post and at the same station from where he had proceeded on leave after expiry of the above leave period.

Certified that Shri Bhag Chand Sharma would have continued to officiate the same post from where he proceeded on leave.

By order,

Sd/-

Registrar General.

Shimla-1, the 15/17th January, 2000

No. HHC/GAZ/14-132/82-II-1429.—Hon'ble the Chief Justice is pleased to grant 16 days earned leave w.e.f. 14-2-2000 to 29-2-2000 with permission to prefix Second Saturday and Sunday falling on 12th and 13th February, 2000 in favour of Shri R. K. Mittal, Senior Sub Judge-cum-CJM, Kinnaur.

Certified that Shri Mittal is likely to join the same post and at the same station from where he proceeds on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Shri Mittal would have continued to hold the post of Senior Sub Judge-cum-CJM, Kinnaur, but for his proceeding on leave for the above period.

Shimla-1, the 15/17th January, 2000

No. HHC/Admn. 6(23)/74-XI-1483.—Hon'ble the Chief Justice in exercise of the powers vested in him under rule 1.26 of the Himachal Pradesh Financial Rules, 1971, Volume-I, is pleased to declare the Senior Sub Judge-cum-CJM, Nahan as Drawing and Disbursing Officer in respect of the court of Sub Judge-cum-SDJM, Rajgarh and also the Controlling Officer for the purpose of T.A. etc. in respect of class-III and IV establishment attached to the aforesaid court under head "2014—Administration of Justice" during the leave period of Shri Yashwant Singh, Sub Judge-cum-SDJM, Rajgarh w.e.f. 31-1-2000 to 13-2-2000 with permission to prefix Sunday and special casual leave w.e.f. 16-1-2000 to 30-1-2000 or until he returns from leave.

No. HHC/GAZ/14-38/74-IV-1511.—Hon'ble the Chief Justice is pleased to grant *ex post facto* sanction of 11 days commuted leave w.e.f. 28-12-1999 to 7-1-2000 with permission to suffix Second Saturday and Sunday falling on 8th and 9th January, 2000 in favour of Smt. Aruna Kapoor, District and Sessions Judge, Solan.

Certified that Smt. Kapoor has joined the same post and at the same station from where she proceeded on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Smt. Kapoor would have continued to hold the post of District and Sessions Judge, Solan, but for her proceeding on leave for the above period.

By order,

Sd/-

Registrar (Vigilance).

Shimla-1, the 18th January, 2000

No. HHC/Admn. 16(9)74-IV-1520.—Hon'ble the Chief Justice in exercise of the powers vested in him u/s 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908 u/s 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 4 of the Himachal Pradesh Oath Commissioners (Appointment and Control) Rules, 1996, is pleased to appoint Shri Ram Krishan Thakur, Advocate, Sundernagar as Oath Commissioner at Sundernagar, for a period of two years, with immediate effect, for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents under the aforesaid Codes and Rules.

By order,

Sd/-

Registrar General.

Shimla-1, the 18th January, 2000

No. HHC/Admn. 6(23)/74-XI-1532.—Hon'ble the Chief Justice in exercise of the powers vested in him under rule 1.26 of Himachal Pradesh Financial Rules, 1971, Volume-I, is pleased to declare the Sub Judge-cum-Judicial Magistrate (1), Nurpur as Drawing and Disbursing Officer in respect of the court of Sub Judge-cum-Judicial Magistrate, Indora and also the Controlling Officer for the purpose of T.A. etc. in respect of class-III and IV establishment attached to the aforesaid court under head "2014—Administration of Justice" with immediate effect till the appointment of the Presiding Officer there.

By order,

Sd/-

Registrar (Vigilance).

हिमाचल प्रदेश सरकार

PERSONNEL DEPARTMENT  
(Appointment-I)

## NOTIFICATIONS

Shimla-1, the 29th December, 1999

No. Per (A-I)B (3)-6/96.—In continuation of this Department's Notification of even number dated the 30th October, 1999, the Governor, Himachal Pradesh, in exercise of the powers conferred by Rule 56(d) of the Fundamental Rules is pleased to allow extension in service for a further period of Three Months w.e.f. 1-1-2000 to 31-3-2000 in favour of Dr. Mohinder Nath, Director of Medical Education and Research,

परन्तु  
विचार क्रम  
पद के मर्ति  
पन्तु  
की व्यवस्था  
अपान दो  
विचार के



Shimla in the public interest. Dr. Mohinder Nath who was to retire from Government Service on 31-12-1999(AN) shall now retire from Government service on 31-3-2000.

This issues with the prior concurrence of the finance department obtained vide their Dy. No. 1354-Fin-C-B (15)-4/96 dated 23-12-1999.

By order,

A. K. GOSWAMI,  
Chief Secretary.

शिमला-2, 5 जनवरी, 2000

संख्या कार्यालय (नं० प्र०-1)ए-वी(2)-4/97.—हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर श्रीमती मरोत्र नेगी पत्नी श्री के०सी० नेगी, सैट नं० 6, ट्रांजिट एकीमोडेशन नजदीक राजभवन शिमला-171002, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश को हिमाचल प्रदेश सचिवालय में विधि अधिकारी (हिंदी) श्रेणी-II, राजपत्रित के अस्थाई पद पर वेतनमान रुपये 6400—10640 में निम्नलिखित शर्तों पर नियुक्त किया जाता है:—

1. यह नियुक्ति वर्तमान के लिए एक पूर्णतया अस्थाई तौर पर है।
2. यह पद रुपये 6400—10640 के वेतनमान का है और इसे सचिवालय में समय-समय पर दिए जाने वाले भत्ते दिए जाएंगे।
3. यह नियुक्ति दो वर्ष को परिवीक्षा पर होगी जिसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है और इस दौरान बिना किसी कारण बताए उसी सेवा में भी समाप्त की जा सकती है।
4. यदि उनका आचरण या कार्य सन्तोषजनक न पाया गया या उनकी सेवाएँ अधिक काल के लिए न रखनी हों तो उसे एक मास की पूर्व सूचना के साथ सूचित किया जा सकता है।
5. पद ग्रहण करने से पूर्व उसे निष्ठा की शपथ लेनी होगी।
6. सचिवालय में पद सम्भालने के लिए किसी प्रकार का भत्ता नहीं दिया जाएगा।
7. यह नियुक्ति प्रस्ताव इस शर्त पर है कि उम्मीदवार का चरित्र या पूर्ववृत्त की पड़ताल सन्तोषजनक होगी।
8. पद ग्रहण करने से पूर्व उसे निम्नलिखित प्रमाण-पत्र देने पड़ेंगे:—

(क) मुख्य चिकित्सा अधिकारी, दीन दयाल उपाध्याय हस्पताल, शिमला के चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी पूर्ण स्वस्थ होने का प्रमाण-पत्र।

(ख) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से दसवीं एवं विधि स्नातक (व्यावसायिक) या उसके बराबर की परीक्षा पास करने का प्रमाण-पत्र।

(ग) किसी राजपत्रित अधिकारी या ऐसी शैक्षणिक संस्था का मुख्य अध्यापक/प्रधानाचार्य से प्राप्त आचरण का प्रमाण पत्र जिससे उसने अन्त में शिक्षा ग्रहण की हो। मूल प्रमाण-पत्र की प्रतियाँ कार्य ग्रहण करते समय प्रस्तुत करनी होंगी।

(घ) यदि विवाहित हो तो इस विषय में प्रमाण पत्र।

(ङ) यदि अनुसूचित जाति/जन जाति/पिछड़े वर्ग/स्वतन्त्रता सेनानी के आश्रितों से हो तो इस विषय में किसी भी सक्षम अधिकारी से प्रमाण पत्र।

9. उसे आने वाले ग्रैजुएट की पहली तिथि से हिमाचल प्रदेश कर्मचारी सामूहिक नौमा योजना का सदस्य बनना होगा।

10. सेवा सम्बन्धी अन्य शर्तों का निर्धारण समय-समय पर जारी आदेशों/नियमों के अन्तर्गत किया जायेगा।

यदि उक्त शर्तों पर वह नियुक्ति उपरोक्त प्रत्याजी को स्वीकृत हो तो वह 20-10-2000 तक अग्रोहस्ताक्षरी के कार्यालय में पदमार अत्रस्थ सम्बन्धित अन्यथा नियुक्ति पत्र फिर रद्द समझा जायेगा।

आदेश द्वारा

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव (स० प्रशा०)।

Shimla-2, the 7th January, 2000

No. 10-3/73-DP-Appnt.—In exercise of the powers vested in him under sub-section (1) of Section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the Governor, of Himachal Pradesh is pleased to appoint the following Naib-Tehsildars to be Executive Magistrates with the powers of Executive Magistrate under the said code to be exercised within the local limits of their respective jurisdictions, with immediate effect subject to the conditions contained in the Home Department's Himachal Pradesh Government letter No. Home-B (B)-12-5/84, dated 4-12-84 and 28-12-84. They shall cease to function as Executive Magistrate on their transfer out of the jurisdiction.

1. Shri Lal Chani Gupta,  
N. T. Sub Teh. Dadahu.

Within the local limits of Sub-Tehsil Dadahu.

2. Shri Shambhu Ram, N. T.  
Renukaji at Sangrah.

Within the local limits of Tehsil Renukaji at Sangrah.

Sd/-

Chief Secretary.

Shimla-2, the 7th January, 2000

No. 1-37/72-DP-Appnt (PWD).—The Governor, Himachal Pradesh, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee, is pleased to order the promotion of Shri Parveen Chander Shandilya, Superintending Engineer, H.P. P.W.D. Circle, Una, as Chief Engineer in the H.P. Public Works Department, in the Pay Scale of Rs. 5900—6700 (Pre-Revised) on regular basis, with immediate effect.

2. He will be on probation for a period of two years.

3. This appointment/promotion is further subject to the final decision on the following OA's pending before the Himachal Pradesh Administrative Tribunal:—

(i) OA No. 1686/93 (Shri Raj Kumar Vs. State of H.P. and others).

(ii) OA No. 1183/93 (Shri S. K. Aggarwal Vs. State of H.P. and others).

4. The Governor, Himachal Pradesh is further pleased to order the posting of Shri Parveen Chander Shandilya as Chief Engineer, Central Zone, Mandi, in public interest.

Shimla-2, the 11th January, 2000

No. 1-37/72-DP-Appnt. Vol. VII.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that Shri R. K. Sharma, Engineer-in-Chief H. P. Public Works

Department shall hold the charge of Chief Engineer National Highway, H.P.P.W.D., Shimla additionally, with immediate effect, in public interest.

By order,

Sd/-  
Chief Secretary.

Shimla-2, the 11th January, 2000

No. 1-37/72-Dp.-Apptt.—In continuation of this Department's Notification No. 1-15/73-Dp.-Apptt., dated the 30th September, 1982, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that the Engineer-in-Chief, IPH shall discharge the following administrative duties and responsibilities with immediate effect :—

- (i) He shall initiate Annual Confidential Reports of all the Chief Engineers of IPH. Where Chief Engineer concerned is Accepting Authority with reference to Non-Gazetted posts, it will now be the Engineer-in-Chief. Where Accepting Authority is the Administrative Department, he will be Reviewing Authority after concerned Chief Engineer has recorded his remarks.
- (ii) He shall be the Controlling Officer of Chief Engineers in the IPH with reference to the following matters :—
  - (a) approval of tour programmes of Chief Engineers within the State. However for tours outside, State proposals for premisation of the Administrative Department/the Chief Secretary are to be routed through the Engineer-in-Chief ;
  - (b) countersign T. A. Bills/Medical Bills etc. of all Chief Engineers in IPH ;
  - (c) sanction casual leave ; other leave applications shall be routed through the Engineer-in-Chief to the Administrative Department ; and
  - (d) he shall also be the overall incharge of the IPH Department and all correspondence with the Government shall be made through him.
- (iii) He shall also exercise all technicals Administrative and financial powers as delegated from time to time by the Administrative Department and Finance Department.

By order,

A. K. GOSWAMI,  
Chief Secretary.

Shimla-2, the 13th January, 2000

No. 1-37/72-Dp.-Apptt. (PWD).—The Governor, Himachal Pradesh on the recommendations of the Departmental Promotion Committee is pleased to order the promotion of Shri Puran Chand Gupta, Superintending Engineer (Arbitration), H.P.P.W.D., Solan, Himachal Pradesh as Chief Engineer in the Pay Scale of Rs. 5900—6700 (pre-revised) on regular basis, with immediate effect.

2. He will be on probation for a period of two years.

3. This appointment/promotion is further subject to the final decision on the following OAs pending before the Himachal Pradesh Administrative Tribunal :—

1. OA No. 1686/93 (Shri Raj Kumur Vs. State of Himachal Pradesh and Ors.).
2. OA No. 1183/93 (Shri S. K. Aggarwal Vs. State of Himachal Pradesh and Ors.).

4. The Governor, Himachal Pradesh is further pleased to order the transfer and postings of the following Chief Engineers in the Public Works Department, in public interest, with immediate effect :—

1. Shri A. C. Mahajan, Chief Engineer, Himachal Pradesh Nagar Vikas Pradhikaran, Shimla who is also holding the additional charge of the post of Chief Administrator, Himachal Pradesh Nagar Vikas Pradhikaran, Shimla is transferred and posted as Chief Engineer, National Highways Shimla relieving Shri R. K. Sharma, Engineer-in-Chief, H.P.P.W.D. of this charge.
2. Shri Puran Chand Gupta, on his promotion is posted as Chief Engineer, Himachal Pradesh Nagar Vikas Pradhikaran, Shimla. He shall also hold additional charge of the post of Chief Administrator, Himachal Pradesh Nagar Vikas Pradhikaran, Shimla. No Special Allowance will be paid to him for this additional charge.

By order,

Sd/-  
Chief Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला 2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या 'एफ0एफ0ई0बी0 (एफ0) 6-4/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एस0 एफ0, तारीख 27-3-74 द्वारा जिला चम्बा में अभयारण्य गमगुल-सियाबेही स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 11-12-97 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आन वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन-साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए ह। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, का यह मानना है कि अभयारण्य गमगुल-सियाबेही पर्याप्त परिस्थिति की प्राप्तिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए गमगुल-सियाबेही क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल में अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

उत्तर : विशोट धार से, जोकि जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश की अन्तर्राज्य सीमा पर स्थित है से शिखर 11,220' बटाईल 12,388' शिखर होती हुई और दा डब्बा 12,429' दागान दा गला 12,231' धार से होती हुई सावन सीता गली तक।

पूर्व : सावन सीता गली से मशाह धार होती हुई शिखर 12,352' ऊंचाई से सिकनू का नाल का सुईन नाल में मिलान बिन्दु तक।

दक्षिण : शिकनू नाल के संगम स्थल से सुईन नाल के ऊपर की ओर शिखर 8,072' तक फिर कुंडी मराल नाल के ऊपर की ओर जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश की सीमा तक।

परन्तु  
विवारिक  
पद के अर्ती  
परन्तु  
की अपक्षा  
अप्राप्त हो  
विचार के

पश्चिम : खंडी मराल नाल के ऊपर जम्मू-कश्मीर सीमा से धार पर  
विशोट स्थान तक ।

क्षेत्रफल : 109 वर्ग कि०मी० ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)4/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FORESTS DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F (6) 4/99.—Whereas Notification under Section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Camgul-Siyabehi Sanctuary in District Chamba.

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 11-12-1997. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 & 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Gamgul-Siyabehi Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under Section (26A) of the said Act is pleased to declare Gamgul-Siyabehi area as sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :

**North :** From Bishot Dhar, along Himachal Pradesh and J & K boundary line via point 11,220' Batile 12,388', the Khaura-da-Tiba 12429', Dagan-Da-Gala 12,231' along the ridge upto Sawan Tita Galie.

**East :** Sawan Tita Gali along the Mashahadhar upto 12,352 ft. from there along the Sknu-ka-nala upto its confluence with Suil Nal.

**South :** From the confluence of 'Siknu-ka-nal and Suil Nal upstream to the point on the ridge height 8072' & then along the Khundi Maral Nal upstream upto the J&K and H.P. boundary.

**West :** From Khundi Maral Nal point of J & K boundary ridge upto Bishot point.

**Area :** 109 Sp. Kms.

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एफ० एफ० ई०बी० (एफ०) 6-5/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 6-25/73-एफ० एफ०, तारीख 17-9-75 द्वारा जिला चम्बा में अभयारण्य तुन्दाह स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 11-12-97 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवा कर उपरोक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आपक्ष प्राप्त नहीं हुए हैं । अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है ।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य तुन्दाह पर्याप्त पर्याप्तता को, प्राणीजगत, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणी विज्ञान के महत्व का है ।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तुन्दाह क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए, तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है ।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात् :—

उत्तर : भैंसार यू० एफ०  
पूर्व : दाद धार  
दक्षिण : दाद ग्राम यू० एफ०  
पश्चिम : तुन्दाह, सिलपोत, सिलपोन यू० एफ० वनों तथा बनाना सुरक्षित वन की सीमा ।

क्षेत्र : 64 वर्ग कि०मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification Number FFE-B-F (6)-5/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23th October, 1999

No. FFE-B-F (6)-5/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 6-25/73-SF, dated 17-9-1975 declaring its intention to constitute Tundah Sanctuary in District Chamba;

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said act was published in the regional language and circulated in every Town & Village covered by the above Notification on 11-12-97. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under section 24 and 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Tundah Wildlife Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Tundah area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :

North : Bhaissar U. F.  
East : Dad Dhar.  
South : Dadgram U. F.  
West : Boundaries of Tunda, Silpon, Sivudi UFs, Thanala reserves.  
Areas : 64 sq. Kms.

By order,  
Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक० एक० ई०-बो०(एक०)६-६/९९. — सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एस०एक०, तारीख 27-3-74 द्वारा जिला चम्बा में अभयारण्य कुगती स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 11-12-97 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवा कर उपरोक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन-साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य कुगती पर्याप्त परिस्थित को प्राणिकृत, भू-आकृतिक विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उपर्युक्त निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुगती क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र को सोनाए निम्नलिखित होंगी, अर्थात् :—

उत्तर : हरि धार

पूर्व : कनोर धार

दक्षिण : हेग धार

पश्चिम : धनछो नाना

क्षेत्र : 379 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this department notification No. FFE-B-F(6) 6/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F(6)-6/99.—Whereas notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF, dated 27-3-74 declaring its intention to constitute Kugti Sanctuary in District Chamba;

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above notification on 11-12-1997. No objections whatsoever were received from the public within prescribed period. It is, therefore, felt that their is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Section 24 and 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Kugti Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Kugti area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North : Haridhar  
East : Kanordhar  
South : Heghdhar  
West : Dhanchoo Nallah  
Area : 379 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक० एक० ई०-बो० (एक०)६-७/९९. — सरकार की अधिसूचना संख्या 6-2/73-एस० एक०-4, तारीख 26-9-1989 द्वारा जिला चम्बा में अभयारण्य कालाटोप खजियार स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 11-12-1997 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जन-साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है।

परन्तु  
विचार कि  
पद के भर्ती  
पद  
की अपक्षा  
अप्राप्त हूँ  
विचार के

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य कालाटोप खजियार पर्याप्त परिस्थिति को, प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए कालाटोप खजियार क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र को योंनए निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

उत्तर : रावी नदी

पूर्व : मिशरी गला शिखर से कुरिचन गला और किर माच नाल और कडैड नाला होती हुई उसके उदगम स्थल खड़ाडडा से रोडिशार तक।

दक्षिण : मुख्य डायन कुण्ड शिखर से खड़ाडडा तक वकलोह और चवाड़ी रेंज की सीमाओं की अवग करती हुई।

पश्चिम : जाल्दरोवाट के साथ रोड नाला से रावी नदी तक।

क्षेत्र : 69 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-7/99, dated 23-10-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.]

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F(6)-7/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 6-2/73-SF-IV, dated 26-09-1989 declaring its intention to constitute Kalatop-Khajjar Sanctuary in District Chamba.

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 11-12-1997. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the sanctuary and consequently no action is required to be taken under Section 24 & 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Kalatop-Khajjar Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Kalatop Khajjar area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limit of the area of the Sanctuary shall be as under:—

North : Ravi River

East : Ridge from Misri-galla to Karuin-Galla and then upto Sach-Nala and Sachnala-Kaded Nala originating from Khada-danda upto Rothiar.

South : Main Dainkund Ridge upto Khadadanda separating boundaries of Bakloh and Chawari Range.

West : Rik'h nala along Jandighat upto Ravi River.

Area : 69 Sq. Kms.

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक० एफ० ई० बी० (एफ०) 6-8/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या एक० टी० एस० (एफ०) 6-5/82, तारीख 1-6-1983 द्वारा जिला कांगड़ा में अभयारण्य पोंगडैम लेक स्थापित करने के आदेश की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आदेश की उद्बोधना तारीख 9-7-98 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन-साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अयवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य पोंगडैम लेक पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए पोंगडैम लेक क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र को योंनए निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

1. पोंगडैम लेक अभरण्य का क्षेत्र पोंग डैम स्थल समरपुर टैरिज (तलवड़ा) से देहरा पुल जो कि होशियारपुर देहरा मंडक पर पड़ता है, तक व्यास नदी के समस्त किनारे को सम्मिलित करने हुए दोनों किनारों में आते नदी व अन्य नालों में समुद्र तल से 1450 फुट उंचाई तक।
2. सभी द्वीप जो क्षेत्र के अंदर पड़ते हैं भी इसके अभरण्य स्थल होंगे।
3. झील के किनारे से 5 किलोमीटर की वरकर बैल्ट क्षेत्र का जो कि समुद्र तल से उपर 1450 फुट होगी।

क्षेत्र: 307 वर्ग किलो मीटर।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।



[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-8/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No FFE-B-F-8/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. Fts. (F)-6-5/82, dated 1-6-1983 declaring its intention to constitute Pong Dam Lake Sanctuary in District Kangra.

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town & Village covered by the above Notification on 9-7-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 and 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Pong Dam Lake Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under Section(26A) of the said Act is pleased to declare Pong Dam Lake area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

1. The area of Pong Dam Lake Sanctuary shall lie between Pong Dam site at Sensarpur Terrace (Talwara) to road bridge at Dehra on Hoshiarpur Dehra road, all along Beas river and shall include all its tributaries on its both banks draining into the lake upto a reduced level of 1450 ft. above mean sea level.
2. All the islands in the lake shall form sanctum sanctorum of the Sanctuary.
3. The area will have a buffer belt of 5 Kms. taken from the edge of the lake which shall be taken at 1450 ft. above mean sea level.

AREA: 307 Sq. Kms.

[By order,

Sd/  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एफ0 एफ0 ई0 बी0(एफ)6-15/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या एफ0 टी0 (बी) 6-16-73 एस0 एफ0 नारीख 22-2-1994 द्वारा जिला कुल्लू में अभयारण्य सेंज स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 26-12-97 को क्षेत्रीय

भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन-साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आपेक्ष प्राप्त नहीं हुए हैं ।

अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है ।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य सेंज पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृतिविज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है ।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए सेंज क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है ।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात :—

उत्तर : सेंज और जीवा नाल घाटी को बांटने वाला मुख्य रिज में बिन्दु से जहाँ नाला (मझान गांव की पूर्व) का उद्गम है, तक मुख्य रिज पूर्व की ओर जो कि वाली धार और जारिन धार है ।

पूर्व : जरीन धार से जरीन थाच चयओस नाला के नीचे चवायम नाला के साथ सेंज खड्ड के साथ मिलता है ।

दक्षिण : सेंज नदी के साथ नीचे और मझान नाला के साथ सेंज नदी को मिलने तक पश्चिम की ओर ।

पश्चिम : सेंज खड्ड के साथ नाला मिलने वाले बिन्दु से, सेंज और जीवा नाला घाटी जो कि वाली धार को बांटन वाला मुख्य रिज तक मझान नाला के साथ-साथ ।

क्षेत्र : 90 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव

[Authoritative English text of this Department Notification Number FFE-B-F (6)-15/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F(6)-15/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. Ft. (B) 6-16/73-SF, dated 22-2-1994 declaring its intention to constitute Sainj Sanctuary in District Kullu.

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town & Village covered by the above Notification on 26-12-1997. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 and 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Sainj Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological, natural or zoological significance;

परन्तु  
विचार किय  
पद के मर्ति  
परन्तु  
की अपक्षा  
अपात्र हो  
विचार कु



Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Sainj area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

**North:** From a point in main ridge dividing Sainj and Jiwa nal Valleys where a nala (East of Majhan Village) takes its origin then along the main ridge east wards that is Bhali Dhar and Jaraun Dhar.

**East:** Jaraun Dhar to Jaraun Thatch, chayos nal downwards along chayos nala upto its confluence with Sainj river.

**South:** Along Sainj river downward and towards west upto the confluence of Sainj river with Majhan Nala (Nala east of Majhan village).

**West:** From a point of confluence of Majhan Nala with Sainj river, along with Majhan nala upto main ridge dividing Sainj and Jiwa nal valleys i. e. Bahli Dhar.

AREA: 90 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary,

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एफ0एफ0ई0बी0 (एफ0) (6)-16/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एम0एफ0, तारीख 27-3-1974 द्वारा जिला मण्डी में अभयारण्य नारंग स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन अधिसूचना जारी की गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 12-8-98 को क्षवीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित कवाई गई थी जनसाधारण में विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्रान नहीं हुए है। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य नारंग पर्याप्त परिस्थिति को प्राणिजगत, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणीविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (3) द्वारा उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए नारंग क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

**उत्तर :** कांगड़ा जिला की सीमा के साथ-साथ उहल नदी से नारंग चोटी।

**पूर्व :** कुल्लू और मण्डी जिला की सीमा के साथ भावू दर्रे को पार करते रिज के साथ नारंग चोटी से दुलही दर्रे तक।

**दक्षिण :** कांडी गांव से दुलही कटानला खड्डों के साथ कमाण्ड पर उहल नदी के मिलने तक।

**पश्चिम :** कटानला खड्ड के मिलान से उहल नदी के साथ कमाण्ड से उहल नदी के उपर की ओर कांगड़ा और मण्डी जिला सीमा तक।

क्षेत्र : 278 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F (6)-16/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F (6)-16/99.—Whereas notification under section 18 of the wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF, dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Nargu Sanctuary in District Mandi.

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above notification on 12-8-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 & 25 of the Act ;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Nargu Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Nargu area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

**North :** From Uhl river to Nargu peak along boundary of Kangra district.

**East :** From Nargu peak to Dulchi pass along the ridge passing through Bhabu pass along boundary of Kullu and Mandi districts.

**South :** From village Kandia along the Dulchi/Katanla khad upto its confluence with river Uhl at Kamand.

**West :** From the confluence of Katanla khad with Uhl river at Kamand along the Uhl river upstream upto the boundary line of Kangra and Mandi districts.

Area: 278 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

160

[At  
No  
res  
tul

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक0एफ0ई0-बी0 (एफ) 6-18/99-सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एस0एफ0 तारीख 27-3-1974 द्वारा जिला विलासपुर में अभयारण्य गोविन्दसागर स्थापित करने के प्राश्य की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी;

S  
is  
5  
I,  
1

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा प्रवेक्षित उपर्युक्त आश्रय की उद्घोषणा तारीख 26-9-93 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित की गई थी। जन साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी प्रवेक्षित नहीं है;

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य गोविन्दसागर पर्याप्त परिस्थिति की प्राणजात, भू-आकृतिविज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए गोविन्दसागर क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करता है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

सतलुज नदी व उसकी सहायक नदियों के दोनों ओर तनुद तल में 1700 फुट तक स्तर बढ़ाकर भावड़ा बांध और सलाहड़ पर्वत के बीच स्थित गोविन्द सागर झील का क्षेत्र।

क्षेत्र : 100 वर्ग कि०मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification Number FFE-B-F(5)-18/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 343 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No FFE-B-F (6)-18/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF, dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Govind Sagar Sanctuary in District Bilaspur;

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 26-9-1983. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 & 25 of the Act;

परन्तु  
विचारक  
पद के अर्थात्  
परन्तु  
की अपेक्षा  
अप्राप्त हो  
विचार के

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Govind Sagar Sanctuary is of adequate ecological, physical, geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under Section (26A) of the said Act is pleased to declare Govind Sagar area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under:—

The area of the Govind Sagar Lake situated between Bhakra Dam and Slapper Bridge along the Sutlej River inclusive of tributaries of both the banks upto a reduced level of 1700 ft. above sea level.

Area : 100 Sq. Kms.

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक0एफ0ई0-बी0 (एफ) (6)-19/99-सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11-70-एसएफ, तारीख 27-3-1974 द्वारा जिला विलासपुर में अभयारण्य श्री नैनादेवी स्थापित करने के प्राश्य की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा प्रवेक्षित उपर्युक्त आश्रय की उद्घोषणा तारीख 26-9-1983 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाई गई। उपरोक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जन साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया है कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी प्रवेक्षित नहीं है।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य श्री नैना देवी पर्याप्त परिस्थिति की प्राणजात, भू-आकृतिविज्ञान प्राकृतिक या प्राणी विज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री नैना देवी क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

उत्तर : नंगल भावड़ा सड़क

पूर्व : निम्नलिखित गांव के जंगल देहानों की सीमा रेखाएं—  
भावड़ा, खुनो, उटपुर, मावड़ी, खाल, सलोआ, कनफारा, भटेड़, चिल्ड, कछनौड़, ज्योरा, नकराना, ममलोटी और ओथल।

दक्षिण : हरोपुर पंजाब सीमा।

पश्चिम: हरोट, मंडयाली, टोभा, संगवाणा, नन्द बेहला, बडोह, खरकडी, श्री नैना देवी जी, मठारन, डडोह, बसी, अजनीन, खेडी, घटवाल, दलहैत, लैहडी, पलसेड, काला कुण्ड जहाँ यह साखड़ा नंगल सड़क को मिलते हैं के गांव की बाहरी सीमाएं ।

क्षेत्र : 123 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-19/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F(6)-19/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Govt. Notification No. 5-11/70-SF, dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Shri Nainadevi Sanctuary in District Bilaspur;

AND whereas proclamation as required under Section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 26-9-1983. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Section 24 and 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Shri Nainadevi Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Shri Nainadevi area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under:—

North : Nangal-Bhakra road.

East: Boundary line of Dehat forests of following villages.—Bhakra, Khulwin, Uttarpar, Mukari, Khal, Saloa, Kanfara, Bhatar, Chilit, Nakrana and Oel.

South: Haripur-Punjab boundary.

West: Outer boundaries of villages.—Harot, Mandili, Toba Sanghwara, Nand Behela, Badoh, Kharkari, Shri Nainadevi, Bedaran, Gatewa, Dalet, Lehi, Palsed, Kaekund where it joins Bhakra Nangal Road.

Area: 123 Sq. Kms.

By order,  
Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक० एक० ई०बी (एफ) 6-20/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 6-2/73-एस० एफ-3, तारीख 14-12-1982 द्वारा जिला शिमला में अभयारण्य बाटर मण्डाई कैचमेंट स्थापित करने के आदेश को घोषणा करने हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अंतर्गत एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत यथा अपेक्षित उपयुक्त आदेश की उद्घोषणा तारीख 22-12-97 का क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जिन अध्यापन से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं ।

अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य को सीमाओं में निम्नो मूनि का आगमन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अंतर्गत कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है ।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य बाटर मण्डाई कैचमेंट पर्याप्त परिस्थिति को, प्राणिजात, भू-आकृति-विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है ।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उममें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए बाटर मण्डाई कैचमेंट को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव में अभयारण्य घोषित करती है ।

अभयारण्य के क्षेत्र को सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

उत्तर: हिन्दोस्थान तिब्बत सड़क और छरावड़ा बाटर वर्कस चौकी को खच्चर सड़क तथा कुकरी बाजार तक हिन्दोस्थान तिब्बत सड़क हली तलवार से प्रारम्भ रिज ।

पूर्व: कुकरी बाजार सड़क के साथ कुकरी बाजार से कास्ट आयरन पिल्लर नं० 35 तक ।

दक्षिण: गांव किराल, भलाना, कास्ट आयरन पिल्लर नं० 60 से 79 तक गांव बाड़ी तक किराल रिज के साथ कास्ट आयरन पिल्लर नं० 35.

पश्चिम: बाटर पाईव लाईन के साथ और ढलो गेरंग रिज के साथ गांव बाड़ी से गांव गेरंग से कास्ट आयरन पिल्लर नं० 79 तक ।

क्षेत्र : 10 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-20/99, dated 23-10-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F(6)20/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was

160

[Author  
Notification  
require  
tutionNo  
secti  
issue  
5,82.  
PonA  
21  
Jan  
cov  
ob:  
wil  
the  
jal  
nc  
25o  
a  
o

issued vide Government Notification No. 6-2/73-SF-III, dated 14-12-1982 declaring its intention to constitute water Supply Catchment Sanctuary in District Shimla;

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 22-12-1997. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under section 24 & 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that water Supply Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Water Supply Catchment area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary.

**North:** Ridge commencing from Dhalli Teller about Hindustan Tibet Road and Mule road to Charabra water works Chowki, then H. T. road upto Kufri Bazar.

**East:** Kufri Bazar to Cast Iron Pillar No. 35 along Kufri Chail Road.

**South:** Cast Iron Pillar No. 35 along Kiral-Ridge upto village Kiral, Malana, Cast Iron Pillar No. 60 to 79 upto village Bandi.

**West:** From Cast Iron Pillar No. 79 village Bandi to village Garog along water pipe line and along Dhalli Garog Ridge.

**Area:** 10 Sq. Kms.

By order

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक 0 एक 0 ई 0-बी (एफ) 6-22/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एस 0 एक 0 तारीख 21-3-74 द्वारा जिला शिमला में अभयारण्य दारनघाटी 1 व 2 स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 22-12-97 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन साधारण से विहित अधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है।

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य दारनघाटी 1 व 2 पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृतिक विज्ञान या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए दारनघाटी 1 व 2 क्षेत्र की वन्य जीव या उसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

#### दारनघाटी-1

**उत्तर :** सी 63 (ए) की कम्पाटमेंट सीमा रेखा से 63 (बी) तक और रामपुर तथा बागी गांव की कृषि भूमि हद और मंगलाड़ गाड़।

**पूर्व :** बेल टिब्बा से शुरू होने वाले नाले से भिजरी घराड से मंगलाड को मिलती है तथा पंदराकारा डाक तक जाती है।

**दक्षिण :** भिजरी धार से तेलनु टिब्बा तक

**पश्चिम :** सी 63 (ए) की पश्चिमी सीमा के साथ वाली धार से ऊपर उठती हुई भिजरी धार से मिलती।

#### दारनघाटी-2

**उत्तर :** नौगली खड्ड और कम्पाटमेंट संख्या 37 की सीमा स्तम्भ संख्या 315 से 321.

**पूर्व :** कम्पाटमेंट संख्या 36 और 37 की सीमा स्तम्भ संख्या 321 से 322.

**दक्षिण :** कम्पाटमेंट संख्या सीमा स्तम्भ संख्या 312 और 22.

**पश्चिम :** कम्पाटमेंट संख्या सीमा स्तम्भ संख्या 312/1 से 313/1.

क्षेत्र : 167 वर्ग कि 0 मी 0।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F (6)-22/99, dated 23-10-1999 as required under Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

### FOREST DEPARTMENT

#### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F (6)22/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF, dated 21-3-1974 declaring its intention to constitute Daranghati I & II Sautuary in District Shimla.

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 22/12/1997. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sanctions 24 and 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Daranghati I & II Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological, natural or zoological significance.

परन्तु  
विचार किया  
पद के भर्ती।  
परन्तु  
की अपेक्षा  
अप्राप्त हो  
विचार के

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under Section (26A) of the said Act is pleased to declare Darangghati area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing wildlife or its environment.

The limits of the Sanctuary shall be as under:—

#### Daranghati-I

**North :** Compartment boundary line of C.63 (a) to 63 (b) & cultivation of Rampur and Baggi Villages and Manglad Gad.

**East :** (Part) Najlah starting from near Belhu Tibba, Bhijti Dharand joining the Manglad Khad to the east of Pandrakara Dhanak.

**South :** Bhijti Dhar upto Delnu Tibba.

**West :** (Part) Ridge forming the western limit of C.63 (a) and rising the meet Bhijti Dhar.

#### Daranghati-II

Wildlife Division,  
Sarahan/Shimla.

**North :** Nogli Khad and Boundary Pillar No. 315 to 321 of Compartment No. 37.

**East :** Boundary Pillar No. 321 to 322 of compartment No. 36 and 37.

**South :** Boundary Pillar No. 312 & 22 of Compt. No. 36.

**West :** Boundary Pillar No. 312/1 to 313/1 of compartment No. 36.

**AREA :** 167 Sq. Kms.

By order,  
Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

हिमाचल-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक 0 एक 0 ई 0 बी 0 (एफ) 6-23/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एन 0 एक 0, तारीख 27-3-1974 द्वारा जिला सोलन में अभयारण्य मजाठल स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपयुक्त आशय को उद्घोषणा तारीख 3-1-98 को क्षेत्रीय भाषाओं में करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन-साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आपेक्ष प्राप्त नहीं हुए है। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामागत अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है ;

हिमाचल प्रदेश की राजधानी, का यह मानना है कि अभयारण्य मजाठल पर्याप्त परिस्थिति की, प्राधिजात भू-प्राकृतिक विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उममें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मजाठल क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

उत्तर : मतलुज नदी तथा सैन खड्ड की लिन विन्दु में जनदरार के मिलन विन्दु तक करने के नीचे नदी के साथ।

पूर्व : खड्ड के साथ मिलने के विन्दु से अपस्टारम बछाना के घरातल तक तथा हरसंग मन्दिर तक।

दक्षिण : रिज के साथ हरसंग मन्दिर से गांव चंडा से जंगलान निरोक्षण रास्ता कागद्दी, मजताल व वनोता डी 0 एक 0 तक उधर सुरंग द्वारी तक दांटेने वाले रिज के साथ।

पश्चिम : सुरंग द्वारी के उपर से जदराण द्वार के साथ मतलुज नदी में इसके मिलने वाले विन्दु तक।

क्षेत्र 40 वर्ग कि 0 मी 0।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-23/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

#### FORESTS DEPARTMENT

#### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F(6)-23/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF, dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Majathal Sanctuary in District Solan:

And whereas proclamation as required under section 21 of the said act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 3-1-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under sections 24 and 25 of the Act ;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Majathal Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological natural, or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said act is pleased to declare Majathal area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

**North :** From the point of confluence of River Sattlej and Sainj Khad, along the river down stream upto the meeting point of Jandrar Dhar.

**East :** From the point of confluence along with Khad upstream upto the foot of Machina ridge upto the Harsang temple.



160

[A]  
N  
re  
tuS  
i  
c  
]

**South :** From Ha-sang temple along the ridge via village Chandni upto forest inspection path of Kangri thence along the ridge dividing Majathal and Bindoula D. F. upto top of Surg-Dawari.

**West :** From the top of Surg Dawari along the Jandardhar upto its meeting point with river Sutlej.

Area : 40 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक0एक0ई0बी0 (एफ) 6-24/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70 एस एफ, तारीख 27-3-1974 द्वारा जिला सोलन में अभयारण्य शिल्ली स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन तथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 3-1-98 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन साधारण से विहित अधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है;

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य शिल्ली पर्याप्त परिस्थिति की प्राणिजात, भू-आकृतिक विज्ञान प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है;

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए शिल्ली क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

**उत्तर :** शिल्ली मंजवा गांव की भूमि पार करके पुराने अवमार्ग के रास्ते से चौखला गांव को नाजगढ़ भूमि तक तथा भुजलोग मलानशाला खाना, दयोग तथा जानो खंड तक।

**पूर्व :** चौखला एवं वजरोल गांव की भूमि।

**दक्षिण :** खनोग टिबा को पहाड़ी में शुरु होकर गांव अन्नून तक।

**पश्चिम :** छिंजर व वजरोल गांव, सोलन और नहलाह में रिहायशी आबादी लाइन जो मुख्य पहाड़ी की तरफ गुजर रही है, का और।

क्षेत्र : 2 वर्ग कि० मी०।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of this Department Notification number FFE-B-F (6)-24/99, dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FORESTS DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999.

No. FFE-B-F (6)-24/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Shilli Sanctuary in District Solan;

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town & Village covered by the above Notification on 3-1-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 & 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers the Shilli Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Shilli area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protection, propagating of developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under:—

**North :** Shilli Manjbo village lands across the old Bridle Path to Najgarh lands of village Chaukila and Bhajlog, Malaun Shala Khana, Dadogh and Jhano Khad.

**East :** Lands of villages Chaukhla and Bhajlog.

**South :** Ridge starting from Khanog Tibba upto village Anun.

**West :** Chinger and Bajrol villages, Solan and Naloh habitation line running to the east of main ridge.

Area : 02 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक0एक0ई0बी0 (एफ) 6-25/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 6-23/73-एस एफ तारीख 21-3-76 द्वारा जिला सोलन में अभयारण्य चायल स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन तथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 3-1-98 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले

परन्तु  
विचार किय  
पद के भर्ती  
परन्तु  
की अपेक्षा  
अप्राप्त है,  
विचार के



प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी जन साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है;

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य चायल पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृतिविज्ञान, प्राकृतिक या प्राणि विज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए चायल क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात :—

उत्तर : शिमला वन मण्डल के चौरा और भलवाग।

उत्तर-पूर्व : गांव के निग्रोल और नलहा जनेदघार के मध्य अश्वनी खड्ड।

दक्षिण-पश्चिम : अश्वनी खड्ड।

दक्षिण-पूर्व : गिरी नदी के उद्गम से गौरा, अश्वनी खड्ड और गिरी नदी के प्रवाह के साथ चायल रेंज की सीमा से गांव तुंड तक।

क्षेत्र : 109 वर्ग कि०मी०।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-25/99. Dated 23-10-1999 as required under Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.]

## FORESTS DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No FFE-B-F (6)-25/99.—Whereas, Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 6-23/73-SF dated 21-3-1976 declaring its intention to constitute Chail Sanctuary in District Solan;

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 3-1-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 and 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Chail Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare Chail area as Sanctuary with immediate effect for the purpose for protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under;—

North : Chaura and Bhalwag of Shimla Forest Division.

North-East : Ashni Khad between village Kaniole and Nelha Janedghat.

South-West : Ashni Khad.

South East : Giri river from its origin at Gawura, with Ashni Khad and Giri River upstream upto the range boundary of Chail, upto village Thund.

Area : 109 Sq. Kms.

By order,  
Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 अक्टूबर, 1999

संख्या एक० एक० ई० बी० (एफ०) 6-25/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या एक० टी० एस० (ए०) 3-6/83, तारीख 25-3-1987 द्वारा जिला सिरमौर में अभयारण्य रेंज का स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 3-3-98 क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशन करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है। अतः अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है;

और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य रेंज का पर्याप्त परिस्थिति की प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए रेंज का क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी अर्थात :—

उत्तर : शोमलात जामु लटयाना और खटनाल शोमलात धार जामु।

दक्षिण : गिरी नदी धार, तारन और चलाया का शोमलात वन तथा ददाल शोमलात।

पूर्व - बाला नयार गांव की कृषि योग्य भूमि और शोमलात वन।

पश्चिम : जोगार घड्ड।

क्षेत्र : 4 वर्ग किलोमीटर।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F-(6)-26/99 dated 23-10-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FORESTS DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd October, 1999

No. FFE-B-F (6)-26/99.—Whereas notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Govt. notification No. Fts (A)-3-6/83 dated 25-3-1987 declaring its intention to constitute RENUKA sanctuary in District SIRMOUR;

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above notification on 03-03-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under sections 24 & 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Renuka Sanctuary is of adequate ecological, faunal geomorphological natural or zoological significance,

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26A) of the said Act is pleased to declare RENUKA AREA as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment,

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North : Shamlat Jamu Lalyana and Kathal Shamlat Dhar Jamu.

South : Giri River, Shamlat forest Dhar Taran & Chulaya and Dalal Shamlat.

East : Cultivated land and Shamlat Forest of Khajiar village.

West : Jogar Khad.

Area : 04 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एफ0 एफ0 ई0 बी0 (एफ0) (6) 3/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70 एम0 एफ0 तारीख 27-3-74 द्वारा जिला चम्बा में अभयारण्य संचुतुआन नाला स्थापित करने के आदेश की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपयुक्त आदेश की उपघोषणा तारीख 11-12-97 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपयुक्त अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक कम्बू और गांव में पोस्टालित करवाई गई थी। जन साधारण में निहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अखंडन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः

अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है;

और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य संचुतुआन नाला पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणि विज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए संचुतुआन नाला क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रस्ताव से अभयारण्य करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थातः—

उत्तर : जानकर (जम्मू-कश्मीर) तथा हिमाचल की सीमा से उच्च हिमाच्छादित धार पर है।

पूर्व : जानकर से चलने वाली मुख्य धार जो कि राज्य सीमा जम्मू कश्मीर तथा हिमाचल के बीच स्थित संचुतुआन और म्यारनाला के मध्य धार से होती हुई उरगोश दर्रा से आगे बढ़ने के बाद चौर धार दर्रे तक जाती है।

दक्षिण : चौर धार दर्रे से चानाग नाले के साथ-साथ सेचु गांव तक जाती है।

पश्चिम : सेचु गांव से धार पर उवीर गांव के पास से होती हुई (जम्मू कश्मीर) व हिमाचल प्रदेश उत्तर तक पहुंचती है।

क्षेत्र : 103 वर्ग मि 0मी0।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F (6)-3/99, Dated 1-11-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FORESTS DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 1st November, 1999

No. FFE-B-F(6)3/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Sachu-Tuan Nala Sanctuary in District Chamba;

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 11-12-1997. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 and 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Sachu-Tuan Nala Wildlife Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or Zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under Section (26-A) of the said Act is pleased to declare Sachu-Tuan Nala area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

परन्तु  
विचार किय  
पद के मर्ति  
परन्तु  
की अपक्षा  
अप्राप्त हो  
विचार के

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :-

North : Zaskar (J & K) and H.P. Boundary and great snow covered ridge.

East : The main ridge, commencing from Zaskar (J & K) State boundary separating the water-shed of Sachu Nala & Miyar Nala along Urgosh pass & upto Gurohar pass.

South : From Chordhar pass along the Chasag Nala upto village Sechu.

West : From village Sechu alongwith the ridge Via village Udir upto the boundary of J & K State and H.P. in north.

Area : 103 Sq. Kms.

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एफ0 एफ0 ई0 बी0 (एफ0) 6-9/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या एफ0 टी0 एस0 बी0 एफ0 (6)-3/88, तारीख 14-12-1994 द्वारा जिला कांगड़ा में अभयारण्य धौलाधार स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई है;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 11-8-1998 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित कारवाई की गई थी। जन साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्णन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है,

और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभयारण्य धौलाधार पर्याप्त परिस्थिति की प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणि विज्ञान के महत्व का है;

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए धौलाधार क्षेत्र के वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव में अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात् :-

उत्तर : लाहौल और कांगड़ा जिलों की सीमा जो 5702 मीटर की ऊंचाई पर मिलती है, से आरम्भ होती हुई पूर्व की ओर लाहौल कुल्लू और कांगड़ा की सीमाओं के मिलान बिन्दु तक। फिर अक्षा गेट (5033 मीटर ऊंचाई लालुनी जोट) 5738 मीटर ऊंचाई और त्रिकालपुर जोट (5741 मीटर से होती हुई माहरबली) 6069 मीटर ऊंचाई तक।

पूर्व : लाहौल, कुल्लू और कांगड़ा जिलों की सीमाओं के मिलान बिन्दु से टावर अर्थ होती हुई कुल्लू, मण्डो और कांगड़ा जिलों के मिलान बिन्दु (4034 मीटर ऊंचाई) से होती हुई व्यास कुपड़े रो धार. त्यागू का जोन (4996 मीटर ऊंचाई) हनुमान टिब्बा (4932 मीटर ऊंचाई) मगर

जोट (4833 मीटर ऊंचाई) कल्यानी जोट (4711 मीटर ऊंचाई) मकोरी धार (4412 मीटर ऊंचाई) बेहर-लांग पाम (4139 मीटर ऊंचाई) मरीधार (4603 मीटर ऊंचाई) से होती हुई मेरी गल (3737 मीटर ऊंचाई तक)।

दक्षिण : कुल्लू, मण्डो और कांगड़ा जिलों की सीमा के मिलान बिन्दु (4854 मीटर ऊंचाई) से आरम्भ होकर पश्चिम की ओर कांगड़ा मण्डो जिला सीमा पर सम्भाल गांव के निकट नाले में होकर मरीनाथ वाटरशेड सीमा पर होती हुई लम्बाडग नाल और उहल नदी के मिलान (थज्जोगाव) से होती हुई उहल नदी के साथ-साथ ऊपर की ओर रोलिंग गांव के समीप से होती सनातरी जोट (2728 मीटर ऊंचाई) तक फिर बाजगढ़ खड्ड में चोट और सम्भाल गांव के समीप नाले तक पहुँचती है।

पश्चिम : सम्भाल गांव के समीप मण्डो और कांगड़ा जिलों की सीमा पर स्थित नाले में ऊपर की ओर आरम्भ होकर सम्भल खड्ड (समीप गन्धेरी खुद गांव) से होती हुई एक छोटे नाले से सम्भल खड्ड और नाले के मिलान तक फिर दोनों के बीच धार में (2235 मीटर ऊंचाई) होती हुई और खड्ड वाटरशेड की सीमा पर से (3122 मीटर ऊंचाई) से होती हुई सम्भल खड्ड और उहल नदी के बीच धार पर से करमाला (3215 मीटर ऊंचाई) लूनी खड्ड और तलानी नाला समीप उहल नदी (4581 मीटर ऊंचाई) से होती हुई चम्बा और कांगड़ा जिला की सीमा पर आकर सीमा पर आगे बढ़ कर लाहौल, चम्बा और कांगड़ा के सीमा मिलान बिन्दु तक फिर किन्नोर की धार धमामर (5078 मीटर ऊंचाई) डंगी धनपत रावी नदी पर (2264 मीटर ऊंचाई) को ऊंचाई में होना हुई रावी नदी के ऊपर की ओर प्लेड नाला के मिलान बिन्दु प्लेड नाला से होती हुई (4759 मीटर ऊंचाई) से निकारापान (4759 मीटर ऊंचाई) निकाराधार और घोगधार तक।

क्षेत्र : 944 वर्ग कि० मी०।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित -  
प्रायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-9/99, dated 1-11-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 1st November, 1999

No. FFE-B-F(6)-9/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. F.S. (B) F(6)-3/88, dated 14-12-1994 declaring its intention to constitute Dhauladhar Sanctuary in District Kangra;

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 11-8-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Sections 24 and 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh in consideration that Dhauladhar Wildlife Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or Zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26-A) of the said Act is pleased to declare Dhauladhar area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wild Life or its environment.

16

[  
A  
r  
i

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under:—

**North :** Starting from the conjunction point of districts at 5702 mts. height follows the common boundary of Lahaul and Kangra districts in the eastern direction upto the conjunction point of districts boundaries of Lahaul, Kullu and Kangra districts passing through Asba Gate at 5033 mts., Lahaul Jot at 5738 mts., Trikalpur Jot at 5741 mts. and Mukar Bali at 6069 mts. height.

**East :** Starting from the conjunction point of District boundary Lahaul, Kullu and Kangra districts follows tower earth the common boundary of Kullu and Kangra Districts upto the conjunction point of district boundary of Kullu and Mandi and Kangra districts at 4034 mts. height along with Beas Kunde-Ri-Dhar, Taintu Ka-Jot at 4996 mts., Hanuman Tibba at 4932 mts. height Sagar Jot at 4833 mts. Mukori Dhar 4412 mts. height Bherlangi pass at 4139 mts. 4693 mts. height, Sari Dhar and Sari Galu at 3737 mts. Kalyani Jot at 4711 mts.

**South :** Starting from the conjunction point of district boundary of Kullu, Mandi and Kangra districts at 4854 mts. height follows toward West the common boundary of Mandi and Kangra districts upto the Nala near Samdral village following the water shed boundary of Sari Nal upto Lambodagnala alongwith Lambodagnala upto the junction point of Whl. River near Thuji village alongwith river towards stream upto near Ruleng village, Salari Jot at 2728 mts. along Bajgar Khad upto Chaunt and upto Nala near Samdral village.

**West :** Starting from the Nala near Sandra village on the common boundary of Mandi and Kangra districts follows the Nala up stream joining the confluence of two small nalas of Sansal khad near Mandehri Khurd village, follows ridge between these two streams upto 2235 mtrs. water shed boundary of Bir Khad upto 3122 mtrs. height, ridge between these two streams upto 2235 mtrs. height, ridge between sansal khad and Whl. river upto Karshah 3215 mtrs. height ridge between Luni Khad/Talwani Nala and Whl. river upto 4581 mtrs. height point on the common boundary of Chamba and Kangra districts follow common district boundary of Chamba and Kangra districts boundary upto the conjunction point of Lahaul Chamba and Kangra districts along Kanaur-Ki-Dhar Thamasar at 5078 mtrs. Dangi Dhanupto Ravi River near 2254 mtrs. height along Ravi River up-stream upto joining point of paled Nala, follows paled nala upto near 4759 mtrs. height, Ni-Kora Pass at 4749 mtrs. height Nikora Dhar and Dhog Dhar.

Area: 944 sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एक 0 एक 0 ई 0 वी 0 (एफ) 6-14/99.—परकार को अधिसूचना संख्या 6-16/73-एम 0 एक 0, तारीख 17-6-76 द्वारा जिला कुल्लू अभयारण्य तीर्थन स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 26-12-97 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जन साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। अतः यह अनुभव किया गया कि अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है;

और हिमालय प्रदेश की राज्यपाल, का मानना है कि अभयारण्य तीर्थन पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है;

और हिमालय प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए तीर्थन क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होगी, अर्थात् :—

उत्तर : जापाकनीधार और गारागारसन धार।

पूर्व : शिरोखण्ड धार और पावती तथा तीर्थन नाला को अलग करने वाली रेखा।

दक्षिण : बुगधार और दयोरोधार अर्थात् ब्यास तथा सतलुज कैचमेंट को अलग करने वाली रेखा।

पश्चिम : नरमरोपा थांच से नाला के साथ-साथ बांड डरी पिल्लर नं 4 जो कि 2/25 (खूडी जंगल) का है, उसके पश्चात् 2/22 जंगल की सीमा के साथ बांड डरी पिल्लर नं 3 तक चोरा नाला जो कि 2/22 और 2/23 (बकु जंगल) को अलग-अलग करता है उसके पश्चात् विसचुल थांच तक रिज के साथ और तब दक्षिण की तरफ बलसात नाला के साथ और फिर उन्के नीचे बसलेऊ थांच और तब पूर्व की तरफ 2/12 को उत्तर पूर्व की सीमा कम्पाटमेंट नं 2 और 3 जो कि 2/20 (बसुंड) को प्वाईट 11.759 फुट दयोधार पर पहुंचती है।

क्षेत्र : 61 वर्ग कि 0 मी 0।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative english text of this department notification Number FFE-B- F(6)-14/99 dated 1-11-99 as required under (3) of Article 348 of the constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, 1st November, 1999

No. FFE-B-F (6)-14/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 6-16/73-SF dated 17-6-1976 declaring its intention to constitute Tirthan Wildlife Sanctuary in District Kullu;

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 26-12-1997, No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the sanctuary and consequently no action is required to be taken under section 24 and 25 of the Act;

परन्तु  
विचार किया  
पद के अर्थात्  
परन्तु  
की अपेक्षा  
अपवाद हो  
विचार के

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Tirthan Wildlife Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or Zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in here under section (26A) of the said Act is pleased to declare Tirthan area as sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North : Shupakuni Dhar and Gargarasan Dhar.

East : Shrikhad Dhar and Dividing line between Parbati and Tirthan nala.

South : Bung Dhar and Deori Dhar die. dividing line between Sutlej and Beas catchments.

West : From Nasrupa Thatch alongwith a nala to boundary Pillar No. 4 of 2/25 (Rakhundi Forests). Then along forest boundary of 2/22 till B. P. No. 3 then Choara nala/dividing 2/22 and 2/23 (Basu forests) then ridge till Bischul Thatch and then nala going South Ward and joining Balkhack nala below Basico Thatch then eastern boundary of 2/12 and North West boundary of compartment No. II and III of 2/20 (Basand) till it joins Deodhar a point 11.759.

By order

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एक०एफ०ई०बी० (एफ०) 6-17/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एस०एफ०, तारीख 27-3-74 द्वारा जिला मण्डों में अभयारण्य बान्दली स्थापित करने के आदेश की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अंतर्गत एक अधिसूचना जारी की गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत यथा अपेक्षित उपयुक्त आदेश की उद्घोषणा तारीख 12-8-98 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जन साधारण से विहित अधिधिक के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। यतः यह अनुभव किया गया की अभयारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अतिक्रमण या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अंतर्गत कोई कार्यवाई की जानी अपेक्षित नहीं है ;

और हिमाचल प्रदेश की राजपात्र का यह मानना है कि अभयारण्य बान्दली पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजगत, भू-आकृतिक विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणि विज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए बान्दली क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव में अभयारण्य घोषित करती है।

अभयारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात :—

उत्तर : सीमा स्तम्भ 61 से 80 तक।

पूर्व : सीमा स्तम्भ 80 से 94 तक।

दक्षिण : सीमा स्तम्भ 94, 95 से मन्नाल खड्ड के माथ-साथ।

पश्चिम : सीमा स्तम्भ 95 से 162 और 1 से 67 तक कृषि योग्य भूमि के बाहर छोड़ते हुए।

क्षेत्र : 41 वर्ग कि०मी०।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

अधुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-17/99, dated 1-11-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 1st November, 1999

No. FFE-B-F(6)-17/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government No. 2-11/70-SF, dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Bandli Sanctuary in District Mandi;

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 12-8-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Section 24 and 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Bandli Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under Section (26-A) of the said Act is please to declare Bandli area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North : Boundary Pillar No. 61 to 80.

East : Boundary Pillar No. 89 to 94.

South : Boundary Pillar No. 94 to 95 along Sawal Khad

West : Boundary Pillar No. 95 to 162 and 1 to 61 exclusive of included cultivation.

Area : 41 Sqms. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एक०एफ०ई०बी० (एफ०) 6-21/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एस०एफ० तारीख 27-3-74 द्वारा जिला शिमला में



अभ्यारण्य तालरा स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपयुक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 22-12-97 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपयुक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभ्यारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है।

और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभ्यारण्य तालरा पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणी विज्ञान के महत्व का है,

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए तालरा क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभ्यारण्य घोषित करती है।

अभ्यारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

उत्तर.—थोड वधण वन, जुब्बल और छाजपुर जंगलात।

पूर्व.—मलना देहाट वन, उत्तर प्रदेश सीमा, स्याज और समजरी देहाट।

दक्षिण.—उत्तर प्रदेश सीमा तथा खोडा वन।

पश्चिम.—अउली देहाट, गुरार देहाट, सराज वन, आनल वन, किजा वन, ललोन वन।

क्षेत्र.—40 वर्ग किलोमीटर।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this department Notification No. FFE-B-F(6)-21/99, dated 1-11-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 1st November, 1999

No. FFE-B-F(6)-21/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 5-11/70-SF dated 27-3-74 declaring its intention to constitute Talra Sanctuary in District Shimla.

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Villages covered by the above Notification on 22-12-1997. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Section 24 and 25 of the above Act,

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Talra Sanctuary is of adequate ecological,

faunal, geomorphological, natural or Zoological significance,

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section (26-A) of the said Act is pleased to declare Talra as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wild life or its environment

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under:—

North.—Thond and Bhagain forests Jubbal and Chhachpur Forests.

East.—Salna Dehat forests, U.P. Boundary, Sainj and Sasjary dehat.

South.—Uttar Pradesh territory and Khora forests.

West.—Auli Dehat, Gurar Dehat, Sarach forests, Thana forests, Kinja forest, Lallon forest.

Area.—40 Sq. Kms.

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एक 0 एक 0 ई 0 वी 0 (एक 0) 6-27/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या 5-11/70-एस 0 एक 0 तारीख 27-3-1974 द्वारा जिला सिरमौर में अभ्यारण्य सिम्बलवारा स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपयुक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 3-3-98 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवा कर उपयुक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभ्यारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है।

और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल का यह मानना है कि अभ्यारण्य सिम्बलवारा पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणिजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणी विज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए सिम्बलवारा क्षेत्र को वन्य जीव या उसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के लिए तत्काल प्रभाव से अभ्यारण्य घोषित करती है।

अभ्यारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

उत्तर:—मुख्य शिवालिक धार (रिज)।

पूर्व:—हरियाणा राज्य वन क्षेत्र की सीमा तक।

दक्षिण:—हरियाणा राज्य वन क्षेत्र का हिस्सा और घराटवाली जंगल नं 32.

पश्चिम:—हिमाचल और हरियाणा राज्यों के बीच की सीमा रेखा।

परन्तु  
विचार किये  
पद के अर्थात्  
परन्तु  
की अपेक्षा  
अप्राप्त है  
विचार के



क्षेत्र.—19 वर्ग कि० मी०।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-27/99 dated 1-11-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 1st November, 1999

No. FFE-B-F(6)-27/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No- 5-11/70-SF dated 27-3-1974 declaring its intention to constitute Simbalbara Sanctuary in District Sirmour.

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above notification on 3-3-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under sections 24 and 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Simbalbara Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section 26 (A) of the said Act is pleased to declare Simbalbara as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North :—Main Shivalik Ridge.

East :—Bordering Haryana Government forests.

South :—Portion of Haryana Government forests and Gharatwali forests No. 42.

West :—Boundary line between Himachal and Haryana.

Area.—19 Sq. Kms.

By order,  
Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एक० एक० ई० बी० (एक) 6-28/99.—उत्तरांचल की अधिसूचना संख्या 6-24/73-एस०एफ० तारीख 18-11-1985 द्वारा जिला सिरमौर में अभ्यारण्य चूड़धार स्थापित करने के आदेश की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी,

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अन्तर्गत यथा उपेक्षित उपर्युक्त आदेश की उद्घोषणा तारीख 3-1-1998 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कम्बे और गांव में परिचालित की गई थी। उन साधारण से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अभ्यारण्य की सीमाओं में किसी भूमि का अन्वर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है,

और हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, का यह मानना है कि अभ्यारण्य चूड़धार पर्याप्त परिस्थितिकी, प्राणिजगत, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक का प्राणी विज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उक्त निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए चूड़धार क्षेत्र की वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अभ्यारण्य घोषित करती है।

अभ्यारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात् :—

उत्तर.—वेईधार।

पूर्व.—उच्चन धार-ककरालानी धार।

दक्षिण.—चूड़धार जब तक की यह ग्राम चौना के नजदीक-नोहरा हरिपुर सड़क में नहीं मिल जाती है, और फिर हरिपुर धार-राजगढ़ सड़क के साथ-साथ ग्राम छोत तक।

पश्चिम.—धार के साथ-साथ गांव छोत व उसके जलग्रह क्षेत्र जा मार्का-का-खाली जलहमन टिन्वा कोकरीधार, जब तक कि यह बाईला ग्राम के नजदीक वालधार में नहीं मिलती।

क्षेत्र.—66 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this department Notification Number FFE-B-F (6)-28/99 dated 1-11-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.]

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 1st November, 1999

No. FFE-B-F (6)28/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. 6-24/73-SF dated 18-11-1985 declaring its intention to constitute Chur Dhar Sanctuary in District Sirmour;

AND whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 3-1-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under sections 24 and 25 of the Act;

AND whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Chur Dhar Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or Zoological significance;

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section 26(A) of the said Act is pleased to declare Chur Dhar area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under:—

North.—Bai Dhar

East.—Uchchan Dhar-Kakaraloni Dhar.

South.—Khur Dhar till it meets the Nohra-Haripur Road near village Choras and then along Haripur Dhar-Rajgarh road upto Chhog village.

West.—Chhog village all along the Dhar forming catchment of Marka-ka-khaja-Julhasan Tibbakokli Dhar till it meets the Bai Dhar near Bhalla village.

Area—66 Sq. Kms.

By order,

Sd/-

Commissioner -cum-Secretary.

वन विभाग

अधिसूचना

गिमता-2, 1 नवम्बर, 1999

संख्या एफ0 एफ0 ई0 बी0 (एफ) 6-29/99.—सरकार की अधिसूचना संख्या वन (बी) एफ (6) 8/91 तारीख 25-4-1992 द्वारा जिला लाहौल स्थिति में अम्भारण्य किव्वर स्थापित करने के आशय की घोषणा करते हुए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अधीन एक अधिसूचना जारी की गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथा अपेक्षित उपर्युक्त आशय की उद्घोषणा तारीख 29-1-1998 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवाकर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी। जन माध्याम से विहित अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः यह अनुभव किया गया कि अम्भारण्य की सीमाओं में किसी भी भूमि का अपवर्जन या सम्मिलित किया जाना आवश्यक नहीं है और परिणामतः अधिनियम की धारा 24 और 25 के अधीन कोई कार्यवाही की जानी अपेक्षित नहीं है।

हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल का यह मानना है कि अम्भारण्य किव्वर पर्याप्त परिस्थिति की, प्राणीजात, भू-आकृति विज्ञान, प्राकृतिक या प्राणिविज्ञान के महत्व का है,

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल उक्त अधिनियम की धारा 26(क) द्वारा उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए किव्वर क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित, प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से अम्भारण्य घोषित करती है।

अम्भारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

उत्तर.—सीमा प्रांगला (18300') से आरम्भ होकर धार पर से हो मुख्य ऊंची चोटियों, पारा, खुम्बी (20246') और 21146' में होती हुई अन्त में गया चोटी तक जो कि हिमाचल प्रदेश में सबसे ऊंची चोटी (22290') तक जाती है।

पूर्व : सीमा यथा से आरम्भ होकर (20246') के अन्तराष्ट्रीय सीमा पर नीचे की ओर सीमा पर ही बी सीमा आकृति तक तथा यहाँ से स्थिति की ओर मुड़ जाती है तथा स्पर होकर सीधी जगह के साथ एक ऊंची पहाड़ी से होती हुई गामदोम (16634') तक पहुँचती है।

दक्षिण.—सीमा गामदोम ऊंची चोटी से आरम्भ होकर स्थिति नदी के समानान्तर आगे बढ़ती कामेलंग चोटी (19962') तक तथा यहाँ से लालुग गांव के साथ लगते नाले से होती हुई लिगति नदी में मिलती है। वहाँ से लिगति नदी के नीचे की ओर थोड़ी दूर तक फिर सीमा गांव के नजदीक लिगति नदी को पार करके सिलग गांव की खेती योग्य भूमि के बाहर से खुके नाला तक पहुँचती है।

पश्चिम : सीमा मुख्य नाला (खाबा) के साथ ऊपर की ओर धार का सीमा पर संचालित होता हुई और इस नाले के उच्च बिन्दु से पर्वत श्रेणी (रिज) के आर-पार तक जाती है और तब अन्य नाले के बिन्दु पर मिलती है। जो पर्वतों के दूसरी ओर से शुरू होता है। तब सीमा इस नाले के साथ-साथ लगती हुई ल गजा गांव के बाहर शोला नाला पर मिलती है। तब शोला नाला के आर-पार दूसरी ओर छोटे नाले के साथ से जो 16901' की ऊंची चोटी से निष्कासित होती है। और पर्वत ऊंची श्रेणी (रिज) को जाती है और तब ऊंची पर्वत श्रेणी (रिज) की दूसरी ओर यह अन्य नाले के साथ नीचे की ओर किव्वर गांव के बाहर जहाँ यह प्रालिम्बी नाले से मिलती है। सीमा प्रालिम्बी नाले को पार करने के पश्चात् अन्ततः इस नाले के साथ-साथ जुगाथा पर उच्च बिन्दु (16000') को छूती हुई ऊपर की ओर जाती है और तब 18300' पर परगला में मिलती है।

क्षेत्र.—1400 वर्ग कि० मी०

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. FFE-B-F(6)-29/99, dated 1-11-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## FOREST DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 1st November, 1999

No. FFE-B-F (6)-29/99.—Whereas Notification under section 18 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 was issued vide Government Notification No. Van (B) F (6) 8/91, dated 25-4-1992 declaring its intention to constitute Kibber Sanctuary in District Lahaul Spiti.

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above Notification on 29-01-1998. No objections whatsoever were received from the public within the prescribed period. It is, therefore, felt that there is no need either to exclude or include any land from the limits of the Sanctuary and consequently no action is required to be taken under Section 24 and 25 of the Act;

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Kibber Sanctuary is of adequate ecological, faunal, geomorphological, natural or Zoological significance;

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in her under section 26(A) of the said Act is pleased to declare Kibber area as Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wild Life or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under:—

North.—Boundary starts from Prangla (18300') and moves along the ridge covering high points at

परन्तु :  
विचारक  
पद के अर्थात्  
परन्तु :  
की अपेक्षा  
अथवा हूँ  
विचार के

Paralumbi (20246') high point of (21146') and finally upto GYA which is the highest peak in Himachal Pradesh at (22290').

**East.**—Boundary starts from GYA (20246') downwards along the international boundary upto the V point of international boundary where it takes turn. From this V point, it moves towards Spiti along the spur upto the high point of flat land which is about 10 kms. far from the high point at Pamdom (11634').

**South.**—From the high point at Pamdom the boundary turns parallel to the Spiti river and moves along the high points upto Kamelong (19362'). From this high point boundary moves along nallah towards Lalung village it meets Lingti river. Then the boundary moves down-wards along the Lingti river upto the little distance and near Rama village it crosses Lingti river. From this point the boundary goes outside the cultivations of Silung village upto Khukhe Nallah.

**West.**—Boundary moves upstream along main nallah (Khakha) and at the high point of this nallah boundary goes across the ridge and then meets at the point of another nallah which starts from other side of the mountains. Then boundary moves along this nallah and outside the Lengza village where it meets at Shilla Nallah. Then across Shilla Nallah boundary moves along the small nallah at other side which drains from the high peak at 16901' and goes upto the high ridge and then at the other side of high ridge it moves along another nallah downwards outside the Kibber village where it joins Parlimbi Nallah. The boundary after crossing the Parlimbi nallah finally moves upstream along this nallah touching the high point (16000') at Jutha and then meeting at Parangla at (18300').

**Area.**—1400 sq. kms.

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.

## GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT (A Section)

### NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 8th January, 2000

**No. GAD-A (B) 8-3/99.**—In partial modification of this Department's Notification of even number dated 6th November, 1999, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to declare 'Gazetted Holiday' on account of 'Idul Fitr' on 8th January, 2000 instead of 9th January, 2000 to the employees working in all Govt. offices and educational Institutions in the Pradesh. This will also be a holiday within the meaning of Section 25 of the Negotiable Instruments Act, 1881 in Himachal Pradesh.

By order,

Sd/-  
Chief Secretary.

(ख अनुभाग)

शिमला-2, 13 जनवरी, 2000

संख्या जी०ए०बी०-1 ए (4)-1/94 (कांगड़ा).—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17 दिसम्बर, 1998 में आंशिक संशोधन करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश डा० राजन सुजात,

राज्य मन्त्री (राजस्व) हिमाचल प्रदेश के स्थान पर श्री रमेश चन्द बवाल, माननीय मित्राई एवं जन स्वास्थ्य मन्त्री, हिमाचल प्रदेश को जिला स्तरीय कांगड़ा जिला की शिकायत निवारण समिति में अध्यक्ष के रूप में मनोनीत करने के सहय आदेश देते हैं।

यह आदेश तुरन्त लागू होंगे।

आदेश द्वारा,

ए० के० गोस्वामी,  
मुख्य सचिव,  
हिमाचल प्रदेश।

## HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT

### CORRIGENDUM

Shimla-2, the 7th January, 2000

**No. Health-B(9)-1/96-II.**—Please refer to this department Notification No. Health-B (9)-1/96 dated the 24th May, 1996 regarding confirmation of 290 doctors and make the following corrections:—

1. Dr. (Miss) Sushma Dopta at S. No. 194 be read as Dr. (Mrs.) Sushma Dipta.
2. Dr. Ranbir Singh at S. No. 140 be read as Dr. Ranbir Singh Rana.
3. Dr. R. S. Panwar at S. No. 64 be read as Dr. R. S. Kanwar.
4. Dr. Sanjay Sharma at S. No. 127 be read as Dr. Sanjeev Sharma.
5. Dr. Sunita Gupta at S. No. 166 be read as Dr. Sunil Gupta.
6. Dr. Rakesh Chaturvedi at S. No. 173 be read as Dr. Parkash Chaturvedi.
7. Dr. (Mrs.) Swati Garg at S. No. 190 be read as Dr. (Mrs.) Swati Garg.
8. Dr. Neeraja Mittal at S. No. 250 be read as Dr. Neeraj Mittal.
9. Dr. Jaswant Singh at S. No. 287 be read as Dr. Yashwant Singh.

Sd/-

Financial Commissioner-cum-Secretary.

## INDIAN SYSTEM OF MEDICINE AND HOMOEOPATHY DEPARTMENT

### CORRIGENDA

Shimla-171002, the 31st December, 1999

**No. Ayu-Ka-(3)20/84.**—The existing provision of para 2 (b) of this Department's Notification of even number dated the 28th September, 1999 notifying therein the amendments in the Recruitment and Promotion Rules for the post of Assistant Botanist (Class-III) (Non-Gazetted) is hereby substituted as under :—

- (b) "In provisions against Coln. 6 for the words and figures "between 18 to 35 years" the words and figures "between 18 and 38 years" shall be substituted".

Shimla-171002, the 31st December, 1999

**No. Ayu-Ka(3)-34/84.**—The existing provision of para 2(b) of this Department's notification of even number, dated the 28th September, 1999 notifying therein the

amendments in the Recruitment and Promotion Rules for the post of Pharmaceutical Chemists class-II (Gazetted) is hereby substituted as under:—

“(b) In the entry against Coln. 6 for words and figures “between 18 and 38 years” the words and figures “38 years and below” shall be substituted.”

Shimla-171002, the 31st December, 1999

No. Ayu-Ka (3)-1/94.—The existing provision of para 2(c) of this Department's notification of even number, dated the 16th October, 1999 notifying therein the amendments to the amended/repealed Recruitment and Promotion Rules for the post of Professor (Class-I Gazetted) in the Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy, H.P. notified vide notification No. of even number, dated the 16th May, 1997 under columns No. 2, 4 and 11 respectively, is hereby substituted as under:—

2(c) For the existing provisions against Col. No. 11, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Readers with 6 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-98) service in the grade.”

Shimla-171002, the 31st December, 1999

No. Ayu-Ka (3)-3/96.—In para 2 (b) of this Department's Notification of even number, dated the 21st October, 1999 notifying therein the amendments in Coln. 11 of Recruitment and Promotion Rules for the post of Project Officer (Class-I Gazetted) the word “with” may be substituted for the word “having” appearing between the words “Botanist” and “3 years”.

By order,

Sd/-

F.C.-cum-Secretary.

## INDUSTRIES DEPARTMENT

### CORRIGENDUM

Shimla-171002, the 22nd December, 1999

No. Udyog II (Ga) 2-4/99.—In partial modification of this department letter No. 6-15/73-SI (II), dated 11th November, 1985 regarding condemnation and disposal of unserviceable vehicles/machineries pertaining to various Departments of the Government of H. P. (Copy enclosed) the Governor, Himachal Pradesh is pleased to delete the words “in presence of representative of Controller of Stores H. P.” appearing in 3rd and 4th line of para-2 of the letter *ibid*.

By order,

Sd/-

Commr.-cum-Secretary.

बहुदेशीय परियोजनाएं एवं विद्युत विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 दिसम्बर, 1999

मंथन विद्युत-एफ (5)-20/82-IV.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश विद्युत (शुल्क) अधिनियम, 1975 की धारा 11-क के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और उद्योग विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा जारी औद्योगिक नीति मार्ग-दर्शन, हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक इकाईयों को प्रोत्साहन, रियायतें तथा सुविधाएं प्रदान करने के नियम, 1999 के अनुसरण में, इस अधिसूचना के

प्रकाशन की तारीख से, ऊर्जा उपभोक्ताओं के निम्नलिखित प्रयोगों को विद्युत शुल्क के संदाय से छूट देती है:—

1. पक्किता सैक्टर में नई औद्योगिक इकाई (इकाईयों) की, औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में 8 वर्ष की अवधि और औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्रों में 5 वर्ष की अवधि के लिए विद्युत शुल्क के संदाय से छूट होगी। इस छूट की अवधि वाणिज्यिक उत्पादन की तारीख से या इस अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से जो भी पश्चातवर्ती हो, से प्रारम्भ होगी।
2. किसी भी नई या विद्यमान औद्योगिक इकाई से उनके अपने प्रयोग के लिए लगाए डी0 जी0 सैट/हाईडल प्लॉट से उत्पादित ऊर्जा पर विद्युत शुल्क प्रभारित नहीं किया जाएगा।
3. फल, सब्जी और मक्की पर आधारित नई औद्योगिक इकाईयां, स्थानीय उत्पाद से उनके कुल उपभोग का कम से कम 60 प्रतिशत उपभोग करने और औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक इकाईयों को (बुआरी, आसवनियों, फल, सब्जी रहित वाईनरीज और बाटलिंग प्लांटों देशी शराब और भारत में बनी विदेशी शराब दोनों के लिए) के सिवाए वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारम्भ से या इस अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से, जो भी पश्चातवर्ती हो, 10 वर्ष की अवधि के लिए विद्युत शुल्क के संदाय से छूट होगी। उनके अपने प्रयोग के लिए लगाए गए डी0 जी0 सैट/हाईडल प्लॉट से उत्पादित ऊर्जा पर विद्युत शुल्क प्रभारित नहीं किया जाएगा।
4. बुआरी, आसवनियों, फल/सब्जी रहित वाईनरीज और बाटलिंग प्लांटों (देशी शराब और भारत में बनी विदेशी शराब दोनों के लिए) के सिवाए समय-समय पर यथा अधिसूचित राज्य के जन-जातीय क्षेत्रों (कर मुक्त क्षेत्र) में स्थित किसी नई औद्योगिक इकाई (इकाईयों) की वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारम्भ की तारीख से या इस अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से, जो भी पश्चातवर्ती हो, 10 वर्ष की अवधि के लिए विद्युत शुल्क के संदाय से छूट होगी।
5. पूर्ववर्ती अधिसूचना (अधिसूचनाओं) के अधीन प्रोत्साहन (प्रोत्साहनों) ले रही विद्यमान इकाईयां इसकी/इनकी पात्रता की अनासित अवधि के लिए, पूर्ववर्ती नियमों के अधीन, इन्हें लेती रहेंगी।

स्पष्टीकरण—अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए:—

- (i) समस्त राज्य, सिवाए राज्य के परिक्षेत्र के कुछ विकास के, औद्योगिक रूप से पिछड़ा है। राज्य का वृत्तिवादी रूप में दो प्रवर्गों अर्थात् औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्रों और औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर यथा अधिसूचित पिछड़ी पंचायतों को छोड़कर जिला सिरमौर में पांवटा साहिब और नाहन और जिला सोलन में नालागढ़, धर्मपुर और सोलन विकास खण्ड औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्रों के प्रवर्ग में आते जाएंगे। उपर्युक्त निदिष्ट औद्योगिक रूप से विकसित हो रहे क्षेत्रों में पिछड़ी पंचायतों सहित, शेष राज्य औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के प्रवर्ग में आएगा। समय-समय पर यथा अधिसूचित राज्य के जनजातीय क्षेत्र कर मुक्त औद्योगिक परिक्षेत्र माने गए हैं।
- (ii) “विद्यमान इकाई” से वह औद्योगिक इकाईयां अभिप्रेत हैं, जिन्होंने 1-4-99 से पहले वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ किया है।
- (iii) “नई औद्योगिक इकाईयों” से हिमाचल प्रदेश राज्य के स्थित औद्योगिक इकाईयां अभिप्रेत हैं, जिन्होंने 1-4-99 को या पश्चात् वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ किया है परन्तु इसके अन्तर्गत ऐसी कोई औद्योगिक इकाई सम्मिलित नहीं होगी जो पुनः स्थापन स्वामित्व को बदलने, संविधान में परिवर्तन, पुनर्निर्माण या

परन्तु 5  
विचारकिय  
पद के अर्ती  
परन्तु 1  
की अपक्षा  
अपात्र हों  
विचार के

विद्यमान इकाई के पुनः प्रवर्तन (पुनर्जीवन) के परिणामस्वरूप गठित हुई हैं।

- (iv) पूर्णकता सेंक्टर में औद्योगिक इकाई (इकाईयां) उपावस्था-1 (संलग्न) के अनुसार होगी।

आदेश द्वारा,

अजय त्यागी,  
आयुक्त एवं सचिव।

उपावस्था-1

पूर्वकता सेंक्टर

[इन नियमों के नियम 3 (पी) में यथा निर्दिष्ट]

1. होष्म, खाद्य उत्पाद और मिनरल वाटर बॉटलिंग सहित कृषि/उद्यान उत्पाद पर आधारित इकाईयां।
2. अभिशीतन इकाईयां।
3. फल/सब्जी पर आधारित बाइनरीज।
4. जड़ी-बूटी आधारित उद्योग और (अरोमेटिक) सुगन्धित उद्योग।
5. ऊन (अंगोरा ऊन सहित) आधारित उद्योग।
6. रेशम सम्बन्धी औद्योगिक क्रिया-कलाप।
7. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सहित इलेक्ट्रॉनिक इकाईयां।
8. वस्त्र विनिर्माण और बुनाई (निटवीयर)।
9. शत-प्रतिशत निर्यात निश्चित इकाईयां।
10. अग्रवासी भारतीयों द्वारा लगाई इकाईयां।
11. औद्योगिक रूप में पिछड़े क्षेत्रों में लगाई बड़ी और मध्यम सेंक्टर की इकाईयां।
12. 1-4-99 को या के पश्चात् वार्षिक उत्पादन में आई 10 करोड़ से अधिक के निर्यात पूंजी निवेश वाली इकाईयां।

[Authorised English text of this Government Notification No. MPP-F (5)-20/82-IV, dated 1-12-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

# MULTIPURPOSE PROJECTS AND POWER DEPARTMENT NOTIFICATION

Shimla-2, the 1st December, 1999

No. MPP-F (5)-20/82-IV.—In exercise of the powers conferred by section 11-A of Himachal Pradesh Electricity (Duty) Act, 1975, and in pursuance of Industrial Policy Guidelines and Rules Regarding Grant of Incentives, Concessions and Facilities to Industrial Units in Himachal Pradesh, 1999 issued by the Industries Department of Himachal Pradesh, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to exempt the following categories of power consumers from the payment of Electricity Duty from the date of publication of this Notification :—

1. New Industrial unit(s) in priority sector shall be exempted from payment of electricity duty for a period of 8 years in the industrially backward areas and for 5 years in industrially developing areas, period of this concession will commence

from the date of commencement of commercial production or from the date of publication of this notification, whichever is later.

2. No electricity duty will be charged from any industrial unit, new or existing, on the power generated, from D. G. set (s)/hydel plant(s) installed for their own use.
3. The new fruit, vegetable and maize based industrial units, consuming at least 60% of their total consumption from local produce and located in industrially backward areas (except produce of breweries, distilleries, non-fruit/vegetable wineries and bottling plant both for country liquor and Indian Made Foreign Liquor) shall be exempted from the payment of electricity duty for a period of 10 years from the date of commencement of commercial production or from the date of publication of this notification, whichever is later. No electricity duty shall be charged on the power generated from D.G. set/hydel plant installed for their own use.
4. Any new industrial unit(s) except breweries, distilleries, non-fruit/vegetable based wineries and bottling plants (both for country liquor and Indian Made Foreign Liquor) in the tribal areas of the State (Tax free Zone), as notified from time to time, shall be exempted from payment of electricity duty for a period of 10 years from the date of commencement of commercial production or the date of publication of this notification, whichever is later.
5. The existing unit(s) availing incentive(s) under the previous notification(s) shall continue to avail the same under the previous Rules for the unexpired period of its/their eligibility.

Explanations.—For the purposes of the notification:—

- (i) The entire State is industrially backward except some development on the periphery of the State. The State has been classified basically into two categories namely "Industrially developing areas", and "Industrially backward areas". The development blocks of Paonta (Sahib and Nahan in district Sirmour and Nalagarh, Dnarampur and Solan in district Solan, excluding backward panchayats as notified by the Government of Himachal Pradesh from time to time would fall in the category of "Industrially developing areas." The rest of the State including backward panchayats in the industrially developing areas referred to above will be in the category of "Industrially backward areas." Tribal areas of the State, as notified from time to time have been treated as tax free industrial Zones.

- (ii) "Existing Units" means those industrial units which have commenced commercial production before 1-4-99.

- (iii) "New Industrial Units" means an industrial unit located within the [State] of Himachal Pradesh which commences commercial production on or after 1-4-99 but will not include any industrial unit, which is formed as a result of re-establishment, re-change of ownership, change in the constitution, reconstruction or revival of an existing unit.

- (iv) Industrial unit(s) in priority sector shall be as per Annexure-I (enclosed).

By order,

AJAY TYAGI,  
Commissioner-cum-Secretary.



## ANNEXURE-I

## PRIORITY SECTOR

(As referred to in Rule 3(p) of these Rules)

1. Units based on agriculture/horticulture produce including hops, food products and mineral water bottling.
2. Cold Storage units.
3. Fruit/vegetable based wineries.
4. Herbs based industries and aromatic industries.
5. Wool including Angora Wool based industries.

6. Sericulture related industrial activities.

7. Electronic units including computer software and information technology.

8. Manufacture of garments and knitwear.

9. 100% Exports Oriented Units.

10. Units set up by Non resident Indians.

11. Units in large and medium sector set up in industrially backward areas.

12. Units with fixed capital investment of more than 10 crores going into commercial production on or after 1-4-99.

## POWER DEPARTMENT

## CORRIGENDUM

Shimla-2, the 20th December, 1999

No. MPP-C (18)-2'99.—In partial modification to this Department office order of even number dated 28-10-1999, the following Heads of Account be substituted as under :—

## For Heads of Account

## Read Heads of Account

2801—Non Conventional Sources of Energy  
 2801—60—Others  
 2801—60—600—Other Sources of Energy  
 2801—60—600—01—SOON Mini Hydel Projects  
 41—Grant-in-aid.  
 2801—60—800—Other Expenditure  
 2801—60—800—01—SOON G. I. A. to Implementation Agencies.  
 41—Grant-in-aid.  
 2801—60—800—01—SOOS G. I. A. to implementation Agencies.  
 41—Grant-in-aid  
 8005—General Provident Fund  
 101—State Provident Fund  
 01—Civil  
 8011—Insurance and saving Fund  
 105—01—Insurance, 105—02—Saving Fund

2810—Non Conventional Sources of Energy  
 2810—60—Others  
 2810—60—600—Other Sources of Energy  
 2810—60—600—01—SOON Mini Hydel Projects  
 41—Grants-in-aid.  
 2810—60—800—Other Expenditure—  
 2810—60—800—01—SOON G. I. A. to Implementation Agencies.  
 41—Grants-in-aid.  
 2810—60—800—01—SOOS G. I. A. to Implementation Agencies.  
 41—Grants-in-aid  
 8005—State Provident Fund  
 101—General Provident Fund  
 01—Civil  
 8011—Insurance and Pension Funds.  
 107—State Government Employees Group Insurance Scheme.  
 01—Insurance.  
 02—Saving.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary

## PLANNING DEPARTMENT

## NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 10th January, 2000

No. PLG-FC(F) 3-3/98.—In continuation of this Department's notification of even No. dated 17th October, 1998, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to nominate Smt. Verna Sharma, VPO Ghalaaur, Tehsil Dehra, District Kangra as a non-official member of the Himachal Pradesh State Planning Board in place of Shri Gandharv Singh of Banikhet. District Chamba.

Shimla-2, the 14th January, 2000

No. PLG (F)(R & D) 1-1/99.—In continuation of this department's notification of even number dated the 25th August, 1998, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to nominate the following as Chairman of District Level Planning, Development and 20-Point

## Programme Review Committees with immediate effect:—

Sl. No.	Name of the District	Name of the Chairman
1	2	3
1.	Bilaspur	Shri Rikhi Ram Kaundal, MOS (Coop).
2.	Chamba	Shri Mohan Lal, MOS (Ayurveda).
3.	Hamirpur	Smt. Urmil Thakur, Parliamentary Secretary.
4.	Kangra	Chaudhary Vidya Sagar, Agricultural Minister.
5.	Kullu	Shri Mohinder Singh Thakur, PWD Minister.

परन्तु  
 विचार कि  
 पद के मत  
 :  
 परन्तु  
 की प्रपक्ष  
 प्रभाव के  
 विचार।



REVENUE DEPARTMENT (Pong Cell)

NOTIFICATION

Shimla-2, the 7th January, 2000

No. Rev. (PD) E (3) 2/99.—Whereas the Central Government has entrusted its functions for the purpose of acquiring land under the Land Acquisition Act, 1894 (Act No. 1 of 1894) to the State Government of Himachal Pradesh vide Government of India, Ministry of Agriculture and Rural Development (Deptt. of Rural Development) Notification No. S. O. 782 (E), dated 25-10-1985 issued under Article 258 (i) of the constitution of India.

And whereas it appears to the Governor of Himachal Pradesh that land is required to be taken by the Beas Construction Board, which is a limb part of the Central Government at the public expense for a public purpose namely for use of Pong Dam Reservoir area in the locality described below.

This notification is made under the provision of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor, Himachal Pradesh is please to authorise the Officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey the land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Further in exercise of the powers conferred by the section 17 (4) of the aforesaid Act, the Governor of Himachal Pradesh is please to direct that the provisions of Section 5 A shall not apply regarding this acquisition.

SPECIFICATION

LOCALITY

District: Kangra

Tehsil: Fatehpur

Village	H. B. No.	Khasra No.	Area in Hect. A. C.
Katrah	134/1	1424/263	2 03 05
Samkar	137/6	1644/2	0 48 72
			2 51 77

By order

Sd/-  
F. C.-cum-Secretary.

SOCIAL & WOMEN'S WELFARE DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-2, the 22nd November, 1999

No. WLF-A (4)-6/99-Loose.—In this department notification of even number dated 2-6-99 the names at Sr. No. 11 and 14 of the Non-Official members of Kabit Panthi Kalyan Board may please be read as "Shri Bardu Ram" and "Shri Nain Singh" instead of Baruch Ram and Shri Narayain Singh respectively.

By order,

HARINDER HIRA.  
Commissioner-cum-Secretary.

1	2	3
6. Kinnaur	Shri Chet Ram Negi, Parliamentary Secretary.	
7. Mandi	Shri Roon Singh Thakur, Forest Minister.	
8. Lahaul and Spiti	Shri Ram Lal Markande, MOS (Rural Development).	
9. Shimla	Shri Narender Bragta, MOS (Horticulture).	
10. Sirmour	Dr. Rajan Sushant, MOS (Revenue).	
11. Solan	Shri Munsu Ram Welfare Minister.	
12. Una	Shri Kishan Kapoor, Transport Minister.	

2. The notification regarding Non-official Member of the above Committees is being issued separately.

By order,

YOGESH KHANNA,  
Financial Commissioner-cum-Secretary.

राजस्व विभाग

ग्रामसूचना

शिमला-2, 7 जनवरी, 2000

संख्या रेव० (पी० डी०) ई (3) 2/99.—केंद्रीय सरकार ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 258 (1) के अंतर्गत विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या एम० ओ० 782 (ई), तारीख 25-10-1985 द्वारा भू-प्राप्ति अधिनियम, 1894 के अंतर्गत भूमि अर्जित करने के लिए अनेक कृषि हिमाचल प्रदेश सरकार को सौंप दिये हैं।

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि व्याप्त निर्माण बोर्ड द्वारा जो कि केंद्रीय सरकार का एक अंग/भाग है, लोक व्यवस्था में लोक प्रयोजन के लिए अर्थात् पोंग बान्ध जलाशय क्षेत्र के लिए टीका रेल, मौजा रेल, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा में भूमि अर्जित की जाती सम्भाव्य है। अतः एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्ने वर्णित परिक्षेत्र की भूमि उपरोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाती अपेक्षित है।

3. यह अधिसूचना भू-प्राप्ति अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अंतर्गत सम्बन्धित व्यक्तियों को जानकारी के लिए जारी की जाती है।

4. हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तत्समय प्रवृत्त अधिकारियों, को कर्मचारियों और उनके कर्मचारों सहित, परिक्षेत्र में किसी भूमि में प्रवेश और सर्वेक्षण करने तथा उक्त धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत सभी कार्य करने के लिए प्राधिकृत करने हैं।

5. अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अंतर्गत यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विनिर्देश  
परिक्षेत्र

जिला: कांगड़ा

तहसील: फतेहपुर

गांव	हदमस्त नं०	खारा नं०	परिक्षेत्र (हेक्टेयर में)
कटराह	134/1	1424/263	2 03 05
समकर	137/6	1644/2	0 48 72
			2 51 77

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
वित्तियुक्त एवं सचिव।

**भाग-2—वैधानिक नियमों को छोड़कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि**

कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

बिलासपुर, 12 जनवरी, 2000

संख्या कृष-97 (सामान्य शाखा)-5325-32.—जैसा कि दि. भेड़ाघाट दुग्ध उत्पादक सहकारी सभा सीमित, भेड़ाघाट, डाकघर, छत, तहसील झण्डूता, जिला बिलासपुर की प्रबन्धक समिति को हल्का निरीक्षक की रिपोर्ट अनुसार अधोहस्ताक्षरी द्वारा सभा को नियमानुसार विघटन में डालने से पूर्व कार्यालय आदेश पत्र पृष्ठांकन संख्या 4141-43, दिनांक 14-10-99 अनुसार "कारण बताओ नोटिस" जारी करके लिखा था कि अगर सम्बन्धित पक्षों को इस सन्दर्भ में कुछ कहना है तो व अपना उत्तर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय को एक माह के भीतर-भीतर प्रेषित कर सकते हैं। जिस अनुसार आज दिनांक तक न तो उक्त सभा को प्रबन्धक समिति से कोई स्पष्ट उत्तर अधोहस्ताक्षरी को प्राप्त हुआ और न ही हल्का निरीक्षक ने इस सन्दर्भ में कोई टिप्पणी/रिपोर्ट इस कार्यालय को प्रेषित की है।

चूंकि अब उक्त सभा को प्रबन्धक समिति को सभा को नियमानुसार विघटन में डालने से पूर्व कारण बताओ नोटिस जारी किए हुए लगभग तीन माह का समय व्यतीत हो चुका है जिससे यह स्पष्ट है कि सम्बन्धित पक्षों को इस सन्दर्भ में कुछ भी नहीं कहना है। इसलिए अब सभा को विघटन में डाल दिया जाना ही उचित होगा।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए, मैं, दिले राम घोमान, सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश सहकारी सभायें अधिनियम, 1968 (एक्ट नं 0 3 आफ 1969) की धारा 78 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दि. भेड़ाघाट दुग्ध उत्पादक सहकारी सभा सीमित, भेड़ाघाट, डाकघर छत, तहसील झण्डूता, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश को विघटन में डालने के आदेश जारी करता हूँ तथा हिमाचल प्रदेश सहकारी सभायें, अधिनियम, 1968 (एक्ट नं 0 3 आफ 1969) की धारा 79 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री प्रवीण वर्मा, निरीक्षक, वर्ग-1, सहकारी सभायें, झण्डूता को उक्त सभा का विघटक नियुक्त करता हूँ। विघटक को आदेश दिए जाते हैं कि वह उक्त सभा का समस्त रिकार्ड/चार्ज अतिशीघ्र सम्भालें तथा सभा की विघटन कार्यवाही को इन आदेशों की प्राप्ति के तीन माह के भीतर-भीतर समाप्त करें व सभा के पंजीयन को रद्द करने हेतु मामला समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय को उक्त निर्धारित की गई अवधि के भीतर-भीतर प्रेषित किया जाए।

दिले राम घोमान,  
सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें,  
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें, बिलासपुर,  
हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

बिलासपुर, 15 जनवरी, 2000

परन्तु  
विचार के  
पद के प्रतिपरन्तु  
की अपेक्षा  
अपान हो  
विचार है

संख्या 4-153/99-कृष (सामान्य शाखा)-5971-78.—जैसा कि निरीक्षक, वर्ग-1, सहकारी सभायें, रदर, जिला बिलासपुर ने अपने कार्यालय पत्र संख्या 58, दिनांक 22-4-99 अनुसार अधोहस्ताक्षरी को सूचित किया है कि उन्होंने दि. शंकर परिवहन सहकारी सभा सीमित, दिगधली, तहसील सदर, जिला बिलासपुर का निरीक्षण दिनांक 31-3-99 का किया है तथा निरीक्षण के समय पाया गया कि सभा में दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक तीन वर्ष की अवधि में कोई निर्धारित कार्य नहीं किया है

जिस कारण हल्का निरीक्षक ने इस सभा को नियमानुसार विघटन में डालने हेतु अधोहस्ताक्षरी से सिफारिश की है।

चूंकि अब किसी भी सहकारी सभा को नियमानुसार विघटन में डालने से पूर्व हिमाचल प्रदेश सहकारी सभायें नियम, 1971 के उप-नियम 104 (ए 0 तथा बी 0) में स्पष्ट प्रावधान उपलब्ध होने के कारण सभा को प्रबन्धक समिति को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना अनिवार्य है, जोकि उक्त सभा की प्रबन्धक समिति को अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय पत्र संख्या सामा 0 सह 0/1791, दिनांक 14-5-99 अनुसार जारी किया गया है, जिसके अन्तर्गत आज दिन तक सम्बन्धित पक्षों से अधोहस्ताक्षरी को कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और न ही इस सम्बन्ध में हल्का निरीक्षक ने कोई रिपोर्ट इस कार्यालय को आज दिन तक प्रेषित की। इसलिए अब उक्त सभा को विघटन में डाल दिया जाना ही उचित होगा।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए, मैं, दिले राम घोमान, सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश सहकारी सभायें अधिनियम, 1968 (एक्ट नं 0 3 आफ 1969) की धारा 78 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दि. शंकर परिवहन सहकारी सभा सीमित, दिगधली, डाकघर सुई मुरहाड़, तहसील सदर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश को विघटन में डालने के आदेश जारी करता हूँ तथा हिमाचल प्रदेश सहकारी सभायें अधिनियम, 1968 (एक्ट नं 0 3 आफ 1969) की धारा 79 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री श्रीराम भारद्वाज, जिला निरीक्षक, सहकारी सभायें, बिलासपुर को उक्त सभा का विघटक नियुक्त करता हूँ तथा विघटक को आदेश दिए जाते हैं कि वह उक्त सभा का समस्त चार्ज/रिकार्ड अतिशीघ्र सम्भालें तथा सभा की विघटन कार्यवाही को इन आदेशों की प्राप्ति के छः माह के भीतर-भीतर समाप्त करें व सभा के पंजीयन को रद्द करने हेतु मामला समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय को उक्त निर्धारित की गई अवधि के भीतर-भीतर प्रेषित किया जाये।

दिले राम घोमान,  
सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें,  
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें, बिलासपुर,  
हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

दिनांक, 22 जनवरी, 2000

संख्या 4-158/99-कृष (सामान्य शाखा) 5431-36.—यह कि दि. इलेक्ट्रॉनिक एब एल 0 पी 0 जी 0 गैस औद्योगिक सहकारी सभा समिति, घुमारवीं का पंजीयक दिनांक 18-5-96 को पंजीयन संख्या 135 के अन्तर्गत हुआ था। सभा उन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विफल रही है, जिस हेतु सभा का पंजीयन किया गया था तथा पंजीयन के पश्चात सभा ने कोई भी निर्धारित कार्य नहीं किया है।

यह कि सभा को इस कार्यालय के कार्यालय आदेश पत्र पृष्ठांकन संख्या 4228-35, दिनांक 21-10-99 के अन्तर्गत विघटन में डाला गया था तथा निरीक्षक, वर्ग-1, सहकारी सभायें, घुमारवीं, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश को इस सभा का विघटक नियुक्त किया गया था।

यह कि सभा के विघटक ने सभा की विघटन कार्यवाही की अन्तिम रिपोर्ट समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए दिनांक 31-12-99 को इस कार्यालय में प्रेषित कर दी है तथा उक्त तिथि को सभा का अवशेष पत्र शून्य हो गया है।

अतः उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए, मैं, दिले राम घोमान, सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश सहकारी अधिनियम, 1968 (एक्ट नं 0 3 आफ 1969) की धारा

93 (2) के अन्तर्गत पंजीयक, सहकारी सभायें (प्राथमिक) की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दि इलेक्ट्रॉनिक एवं एल 0 सी 0 जी 0 गैस औद्योगिक सहकारी सभा सी 0, घुमारवीं के पंजीयन को रद्द करने के आदेश जारी करता हूँ।

दिले राम श्रीमान,  
सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें (प्राथमिक),  
बिलासपुर (हि 0 प्र 0)।

# ORDER OF APPOINTMENT, TERMS AND CONDITIONS OF LIQUIDATOR

## OFFICE ORDER

Palampur, the 6th January, 2000

No. 223-26.—Whereas show cause notice was issued to the Managing Committee Members of the New Palampur Dhar Co-operative Transport Society vide No. Co-op./RK/7-39/95-Vol.-III-6483-95, dated 23-09-1999 under registered cover and the Managing Committee vide resolution No. 1, dated 28-09-99 has tendered its reply wherein the Managing Committee have assured to co-operate the department and has further meet the undersigned on 17-12-99 and it was also agreed upon to follow the direction/suggestion of the department in the smooth functioning of the Society, but inadvertently the Managing Committee failed to comply with their assurances despite repeated requests by the undersigned.

Whereas the Managing Committee has failed to achieve the main object of the Society for which it was registered and has become a dictator as is evident from the following facts:—

- (i) The Managing Committee has not enrolled the persons those were eligible for its membership as per provision of the registered bye-laws and even certain members have been considered genuine case by a Court of Law and even the employees those were suppose to be enrolled as member were not allowed membership.
- (ii) Few members are in the same line of business which is a dis-qualification for membership and the same is contrary to the provisions of the H.P. Co-operative Societies Act and Rules, but they were not expelled to remove the above mandatory dis-qualification.
- (iii) Few members have left/residing beyond the area of operation and they are on the role of member which is also a dis-qualification under the rule.
- (iv) That few employees were allowed to join service by the labour Court, but they were not allowed to join and even their emoluments as per decision of the above Court were not released.
- (v) The Managing Committee at his own motion got the account audited through Chartered Accountant for the year 1998-99, but no permission for the purpose was obtained for the competent authority and even the said audit note was not found in accordance with the norms prescribed in the H.P. Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969).
- (vi) As per provision laid down in the H.P. Co-operative Societies Rules, 1971 the data for annual statements was not provided to the Inspector In-charge which caused hindrance in the compilation of said statements despite request from the concerned Inspector.
- (vii) In Managing Committee/Managerial Staff has failed to provide record for Inspection to the Inspector Incharge and other departmental officials, since 2/3 years and their appears some doubt about the working of the society.

In view of the above, I have come to conclusion that the Managing Committee is not functioning properly and has ceased working under section 78 (c) (ii) & (iv) of the H.P. Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969).

I, therefore, S. K. Rangra, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Palampur exercising the powers of the Registrar Co-operative Societies (H.P.) vested in me under section 78 (c) (ii) & (iv) of the *ibid* Act do hereby order to windup the above Society.

I, further exercising the powers conferred upon me under section 79 of the *ibid* Act do hereby appoint Shri Gaggan Singh Dadwal, as Liquidator of the above Society.

The Liquidator is allowed to keep the Cash-in-hand not more than Rs. 50/- for meeting expenses of Liquidation. All money over and above this limit shall be credited to the Kangra Central Co-operative Bank Branch concerned.

He being an official Liquidator no commission etc. is allowed to him. He should proceed to Liquidate the affairs of the above Society in accordance with H.P. Co-operative Societies Act and Rules and take over the charge of the Society and send charge report to this office further the progress of liquidation proceeding may be communicated in duplicate to this office on the prescribed proforma in every month.

Sd/-  
Assistant Registrar,  
Co-operative Societies, Palampur.

कार्यालय अतिरिक्त पंजीयक, सहकारी सभायें, धर्मशाला  
हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 21 जनवरी, 2000

संख्या 7-1165/96-कूप (विघटन).—जैसा कि श्री जगवीर सिंह ग्रंथालय अधिकारी/जिला निरीक्षक सहकारी सभायें, ऊना को दो ऊना जिला सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ सी 0 ऊना (विघटनाधीन) का विघटक इस कार्यालय के आदेश संख्या 7-1165/96 कूप (विघटन), दिनांक 28-5-99 को नियुक्त किया गया था। श्री जगवीर सिंह दिनांक 30-11-99 को सेवा निवृत्त हो जाने के कारण वहां उनके स्थान पर विघटक नियुक्त करना अनिवार्य है।

अतः मैं, एस 0 सी 0 मेहता, भा 0 प्र 0 से 0, अतिरिक्त पंजीयक, सहकारी सभायें, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश अपने मैं निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश सहकारी सभायें अधिनियम, 1968 (अधिनियम संख्या 3 आ 1969) को धारा 79 (1) के अन्तर्गत श्री जगवीर सिंह, जिला ग्रंथालय अधिकारी/जिला निरीक्षक, सहकारी सभायें ऊना के स्थान पर सहायक पंजीयक, सहकारी सभायें, ऊना को दो ऊना जिला सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ सी 0, ऊना (विघटनाधीन) का विघटक नियुक्त करता हूँ तथा निर्देशित करता हूँ कि विघटक अधोहस्ताक्षरी के नियन्त्रण में विघटन का कार्य करेगा तथा मासिक प्रगति रिपोर्ट इस कार्यालय को प्रेषित करेगा।

एस 0 सी 0 मेहता,  
भा 0 प्र 0 से 0,  
अतिरिक्त पंजीयक, सहकारी सभायें,  
धर्मशाला, (हि 0 प्र 0)।

## TOURISM DEPARTMENT

### CANCELLATION ORDER OF HOTEL

Shimla-9, the 29th December, 1999

No. 6-17/87-DTO/SML.—Whereas Hotel Khangzen, Narkanda, District Shimla registered vide registration certificate No. 6-17/87-TSM-10604-4418, dated

21st November, 1991 under the Himachal Pradesh Registration of Tourist Trade Act, 1988.

Whereas the proprietor of the above hotel/guest house vide his application dated 24-12-99 has requested to cancel its certificate of registration since he has ceased to operate with immediate effect.

Therefore, I, Surinder Justa, District Tourism Development Officer, Shimla Division, Shimla in exercise of the power vested in me under section 13 (a) of Himachal Pradesh Registration of Tourist Trade Act, 1988, hereby order to remove the name of the hotel/guest house known as "Khangzien at Narkanda" from the register and cancel its certificate of Registration with immediate effect.

Sd/-  
Distt. Tourism Dev. Officer,  
Shimla Division, Shimla,  
SDA Complex, Block No. 28,  
Kasumpti, Shimla-171 009.

#### NOTICE UNDER SECTION 24

Una, the 21st January, 2000

No. L/M.M. Loan/Himachal Handloom/8558.—  
Whereas a notice was served on M/s. Himachal Hand-

loom Industry, Amb on 25-5-93 Under Section 23 of the Himachal Pradesh State Aid to Industries Act, 1971 calling upon the said M/s Himachal Handloom Industry, Amb to pay to me the sum of Rs. 4150/- Principal and Rs. 5418/- Interest, before 20-6-93 and whereas the said sum has not been paid. I hereby declare that the sum of Rs. 4150/- Principal and Rs. 5418/- interest with penal interest 10% upto the date of actual deposit is due from the said M/s Himachal Handloom Industry of the said debt.

#### SCHEDULE

Against two sureties: —

1. Shri Saiv Kumar s/o Shri Gian Chand, Village Halehar, Tehsil Amb, District Una.
2. Shri Roshan Lal s/o Shri Gian Chand, Village Halehar, P.O. Amb, District Una, Himachal Pradesh.

Sd/-,  
General Manager,  
District Industries, Centre, Una.

**भाग-3--अखिलभारत, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाईनेन्सियल कमिशनर तथा कमिशनर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग**

अधिसूचना

शिमला-171 002, 1 नवम्बर, 1999

संख्या आयु0क (3) 24/99. —हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की अधिसूचना संख्या हैल्थ-ए (3) 4/86, तारीख 20-11-1992 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी (आयुर्वेद) विभाग में सहायक लाईब्रेरियन, वर्ग-III (अराजपत्रित) पद के भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1992 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग में सहायक लाईब्रेरियन, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपावन्ध "अ" में संशोधन.—हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, सहायक लाईब्रेरियन, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1992 के उपावन्ध "अ" में :—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"4020-120-4260-140-4400-150-5000-160-5800-200-6200 रुपये"

(ख) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"18 से 38 वर्ष"

परन्तु सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्ति किए गए पहले से सरकार की सेवा में नियुक्त व्यक्तियों सहित अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि नदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिकतम हो गया हो, तो वह नदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में शिथिलीकरण के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिये अधिकतम आयु सीमा में उतना ही शिथिलीकरण किया जा सकेगा जितना कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में आमेहन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारीवृद्ध को नहीं दी जाएगी जो पश्चात्बर्ती ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गये थे/किए गये हैं और उन पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेहित किए गये हैं/किए गये थे।

टिप्पणी —(1) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना, उस वर्ष के प्रथम दिन से की जाएगी जिसमें आवेदन आमन्त्रित करने के लिए यथास्थिति पद, विज्ञापित या नियोजनालयों को अधिसूचित कराए जाते हैं।

टिप्पणी.—(2) अन्यथा सूचित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
जितायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Government notification No. AYU-KA(3)-24/99, dated 1-11-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

INDIAN SYSTEM OF MEDICINES AND  
HOMOEOPATHY DEPARTMENT

#### NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 1st November, 1999

No. Ayu-Ka(3)24/99.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in

परन्तु  
विचार के  
पद के भर्ती

परन्तु  
की अपेक्षा  
अप्राप्त हो  
विचार के

consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Assistant Librarian, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1992, notified vide this Department notification No. Health-A (3) 4/86, dated 20-11-1992, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Asstt. Librarian, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These rules come into force from the date of publication in official Gazette.

2. *Amendment in Annexure 'A'.*— In Annexure 'A' to the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Asstt. Librarian Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1992:—

(a) For the existing provisions against column No. 4, the following shall be substituted, namely :—

“Rs. 4020-120-4250-140-4400-150-5000-160-5800-200-6200.”

(b) For the existing provisions against Column No. 6, the following shall be substituted.

“18 to 38 years.”

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis :

Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment :

Provided further that upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government :

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servant before absorption in the Public Sector Corporation/Autonomous Bodies at the time of initial constitutions of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporations/Autonomous Bodies and are/were finally absorbed in the service of such Corporations/Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporation/Autonomous Bodies.

*Note.*—(1) Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post (s) are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges as the case may be.

*Note.*—(2) Age and experience in the case of direct recruitment will be relaxable at the discretion of the Himachal Pradesh Public Service Commission in case the candidate is otherwise well qualified.

By order,

Sd/-

Financial Commissioner-cum-Secretary.

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 15 नवम्बर, 1999

संख्या आयु-क (3) 21/99.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विभाग को अधिसूचना संख्या स्वा-क (3) 13/89, तारीख 20-8-1990 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, वर्ग-IV सेवा (वार्ड अर्देली) के पद के भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1990 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, वर्ग-IV सेवा (वार्ड अर्देली) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपावय्य “अ” का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, वर्ग-IV सेवा (वार्ड अर्देली) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1990 के उपावय्य “अ” में:—

(क) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“22 (वार्डस)”

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“2520-100-3220-110-3660-120-4140 रूप (प्रारम्भ 2620 रूप)।”

(ग) स्तम्भ संख्या 5 के सामने विद्यमान प्रविष्टि में शब्दों और अंकों “18 से 35 वर्ष” के स्थान पर “18 से 38 वर्ष” शब्द और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

वित्तायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Government Notification No. AYU-KA (3) 21/99, dated 15-11-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## INDIAN SYSTEM OF MEDICINES AND HOMOEOPATHY DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 15th November, 1999

No. Ayu-Ka (3) 21/99.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Class-IV Service (Ward Orderly) Recruitment and Promotion Rules, 1990 notified vide this Department Notification No. Health-A(3)13/88, dated 20-8-1990, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Class-IV Service (Ward Orderly) Recruitment and Promotion Rules, 1999.

(2) These shall come into force from the date of publication in Official Gazette.

2. *Amendment in Annexure “A”.*—In annexure “A” to the Himachal Pradesh, Department of Indian System



of Medicines and Homoeopathy, Class-IV Service (Ward orderly) Recruitment and Promotion Rules, 1990:—

- (a) For the existing entry against Column No. 2, the following shall be substituted, namely:—  
“22 (Twenty Two)”.
- (b) For the existing entry against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—  
“Rs. 2520-100-3220-110-3660-120-4140 (with a start of Rs. 2620).”.
- (c) In entry against Column No. 6, for the figures and words “Between 18 to 35 years” the figures and words “Between 18 to 38 years” shall be substituted.

By order,

Sd/-  
F. C. -cum-Secretary.

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 8 दिसम्बर, 1999

संख्या आयु0 ख(15)-1/1/94.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की अधिसूचना संख्या आयु0 ख(15) 1/1/94, तारीख 26-7-1997 द्वारा अधिसूचित भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग में रीडर (संस्कृत) वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग रीडर (संस्कृत) वर्ग-I (राजपत्रित) पद के भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध “अ” का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग में रीडर (संस्कृत) वर्ग-I (राजपत्रित) पद, भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध “अ” में:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“7220-220-8100-275-10300-340-11660 रुपये”

(ख) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“वरिष्ठ प्राध्यापकों में से जिनका 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में (31-3-1998) तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, को सम्मिलित करके 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो प्रोन्नति द्वारा”

प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये, इस शर्त के अधीन रहते हुये गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी, परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो,

को शामिल करने) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पाव हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पाव समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे।

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम ग्रहता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी।

परन्तु यह और भी कि, जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने के विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्थापना.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारा से प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मेड फोरसिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टेक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दो हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थापना के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-98 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु 31-3-98 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा, उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
बिन्तायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this department notification No. AYU-Kha (15)1/94, dated 8-12-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## INDIAN SYSTEM OF MEDICINES AND HOMOEOPATHY DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 8th December, 1999

No. Ayu-Kha(15)1/94.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy, Reader Sanskrit, Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 notified vide this department notification No. Ayur-Kha(15) 1/94, dated 26-7-1997, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy, Reader Sanskrit, Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of Annexure ‘A’.—In Annexure ‘A’ to the Himachal Pradesh, Department of India, System of Medicine and Homoeopathy, Reader Sanskrit

परन्तु  
विचार कि  
पद के भर्ती  
पद पर  
की अपेक्षा  
अपात्र हो  
विचार है

**Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997:—**

(a) For the provisions against Col. No. 4, the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 7220-220-8100-275-10300-340-11660”.

(b) For the existing provisions against Col. No. 11, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Senior Lecturer having five years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service, (rendered upto 31-3-1998) if any, in the grade.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules, provided that :

(i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed below the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilized Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provision of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to the regular appointment/promotion shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the Recruitment and Promotion Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-98 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

Sd/-  
F.C.-cum-Secretary.

**भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग**

अधिसूचना

शिमला-2, 21 दिसम्बर, 1999

संख्या आयु0 क(3)-22/99.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की अधिसूचना संख्या स्वास्थ्य-क(3)-9/87, तारीख 17-7-1989 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी (आयुर्वेद) विभाग में डॉक्टरेट महायक (देवार्थ वर्ग-III) के पद के भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1989 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्राप्ति.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, (डॉक्टरेट महायक) वर्ग-III सेवाएं के भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाख्य “अ” का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग (डॉक्टरेट वर्ग-III) महायक पद, भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1989 के उपाख्य “अ” में:—

(क) सूच्य संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“4020-120-4260-140-4400-150-5000-160-5800-200-6200 रुपये”.

(ख) सूच्य संख्या 6 के सामने उपबन्धों में शब्दों और अक्षरों “18 से 32 वर्ष” के स्थान पर “18 से 38 वर्ष” शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
वित्तियक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Government notification No. AYU-KA (3)-22/99, dated 21-12-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

**INDIAN SYSTEM OF MEDICINES AND HOMOEOPATHY DEPARTMENT**

**NOTIFICATION**

Shimla-2, the 21st December, 1999

No. AYU-KA(3)-22/99.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, (Dark Room Assistant) Class-III, Service Recruitment and Promotion Rules, 1989 notified vide this Department Notification No. Health-A (3)-9/87, dated 17-7-1989, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, (Dark Room Assistant) Class-III Service Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These shall come into force from the date of publication in official Gazette.

2. *Amendment in Annexure 'I'.*—In Annexure 'I' to the Himachal Pradesh Department of Indian System of

Medicines and Homoeopathy, (Dark Room Assistant) Class-III Service Recruitment and Promotion Rules, 1989:—

- (a) For the existing provisions against Col. No. 4, the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 4020-120-4260-140-4400-150-5000-160-5800-200-6200.”

- (b) In the provisions against Col. No. 6, for the words and figures “Between 18 to 32 years”, the figures and words “Between 18 to 38 years” shall be substituted.

By order,

Sd/-  
F. C.-cum-Secretary.

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 22 दिसम्बर, 1999

संख्या आयु-क (3) 32/92.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या हेल्थ-ए(3)32/84, दिनांक 17-5-1999 द्वारा अधिसूचित, हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग में सहायक प्रबन्धक (फार्मसी) वर्ग-II (राजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, सहायक प्रबन्धक (फार्मसी) वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध “अ” का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग में सहायक प्रबन्धक (फार्मसी) वर्ग-II (राजपत्रित) पद, भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध “अ” में:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“7000-220-8100-275-10300-340-10980 रुपये.”

(ख) स्तम्भ संख्या 6 में अंकों और शब्दों “35 वर्ष या इतने कम” के स्थान पर “38 वर्ष या इतने कम” अंक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
वितायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Government notification No. Ayu-Ka (3) 32/92, dated 22-12-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

# INDIAN SYSTEM OF MEDICINES AND HOMOEOPATHY DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Shimla-171002, the 22nd December, 1999

No. Ayu-Ka (3) 32/92.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution

of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Assistant Manager (Pharmacy) Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 notified vide this Department's notification No. Health-A(3)32/84, dated 17-5-99, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Assistant Manager (Pharmacy) Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment in Annexure “A”.*—In Annexure “A” to the Himachal Pradesh, Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, Assistant Manager (Pharmacy) Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997:—

(a) For the provisions against Col. No. 4, the following figures shall be substituted:—

“Rs. 7000-220-8100-275-10300-340-10980.”

(b) In Col. No. 6 for the figures and words “35 years and below” the figures and words “38 years and below” shall be substituted.

By order,

Sd/-  
Financial Commissioner-cum-Secretary.

भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 24 दिसम्बर, 1999

संख्या आयु क (3)-32/99.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या 0 स्वास्थ्य-क (3)-25/84, तारीख 19-5-1989 द्वारा अधिसूचित भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग में चालक (वर्ग-III सेवाएं) पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1989 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग, (वर्ग-III सेवाएं) चालक पद भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध “अ” में संशोधन.—हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग चालक (वर्ग-III) पद भर्ती एवं प्रोन्नति नियम 1989 के उपाबन्ध “अ” में:—

(क) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“20 (बीस)”

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-5000-160-5160 रुपये”।

परन्तु  
विचार किए  
पद के भर्ती  
पद के  
पद के  
की अपेक्षा  
अपवाद हों  
विचार के

(ग) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उम्र-वर्गों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“18 से 38 वर्ष” :

परन्तु सीधी भर्ती के लिये आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्त किए गए पहले से सरकार की सेवा में नियुक्त अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख की अवधि हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में शिथिलीकरण के लिये पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिये अधिकतम आयु सीमा में उन्ना हो शिथिलीकरण किया जा सकेगा, जितना कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेश के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में आमिलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु सीमा में ऐसी ही रियायत दी जायेगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारीवृन्द को नहीं दी जायेगी जो पश्चात्पूर्व ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे/किए गए हैं और उन पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमिलित किए गए हैं/किए गए थे ।

टिप्पणी-1.—सीधी भर्ती के लिये आयु सीमा की गणना यथास्थिति उस वर्ष के प्रथम दिन से की जायेगी जिसमें आवेदन आमिलित करने के लिए पद विज्ञापित या नियोजनालयों को अधिसूचित किए जाते हैं ।

टिप्पणी-2.—अथवा सुगृहीत अभ्यर्थियों को दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव अयोग के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
वित्तियुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Government Notification No. Ayu-Ka (3) 32/99, dated 24-12-1999 as required under clause (3) of Article 343 of the Constitution of India].

## INDIAN SYSTEM OF MEDICINES AND HOMOEOPATHY DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 24th December, 1999

No. Ayu-Ka(3) 32/99.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, to amend the Himachal Pradesh, Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, (Driver) Class-III Service Recruitment and Promotion Rules, 1989 notified vide this Department Notification No. Heath-A(3)25/84, dated 19-5-1989, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy, (Driver) Class-III Service Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in Official Gazette.

2. *Amendment in Annexure “A”.*—In Annexure “A” to the Himachal Pradesh, Department of Indian System of Medicines and Homoeopathy, (Driver) Class-III Recruitment and Promotion Rules, 1989:—

(a) For the existing provisions against Column No. 2, the following shall be substituted, namely:—  
“20 (Twenty)”

(b) For the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-5000-160-5160.”

(c) For the existing provisions against Column No. 6, the following shall be substituted, namely:—

“Between 18 to 38 years”:

Provided that the upper age limit for direct recruitments will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis :

Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment.

Provided further that upper age limit is relaxable for Schedule Castes/Schedule Tribes/Other Categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government :

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporation and Autonomous Bodies who happened to be Government Servant before absorption in Public Sector Corporation/Autonomous Bodies at the time of initial constitution of such Corporation/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however be admissible to such staff of the Public Sector Corporation/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporation/Autonomous Bodies and who are/were finally absorbed in the service of such Corporation/Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporation/Autonomous Bodies.

*Note-(i).*—Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges as the case may be.

(ii) Age and experience in the case of direct recruitment will be relaxable at the discretion of the Himachal Pradesh, Public Service Commission, in case the candidate is otherwise well qualified.

By order,

S/-  
F.C.-cum-Secretary.

अम विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-171001, 11 जनवरी, 2000

संख्या 11-1/85 (लेब) आई० डी० भाग.—प्रबोहस्ताक्षरों को यह प्रतीत होता है कि Shri Avatar Singh Pathania and

M/s Sarab Enterprises, New G. T. Road, Damtal, Distt. Kangra (H. P.) के मध्य नीचे दिए गए विषय पर औद्योगिक विवाद है ;

और औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 12(4) के अधीन ममशोता अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर उक्त अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के अधीन विचार करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी ने निर्णय लिया है कि मामला श्रम न्यायालय/औद्योगिक अधिकरण को अधिनियम के लिए भेजने योग्य है।

अतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 सितम्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इस मामले को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम-न्यायालय/औद्योगिक अधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे ब्याख्या किये गए विषय पर अधिनियम देने के लिए भेजा जाता है :—

“Whether the termination of service of Shri Avatar Singh Pathania, ex-worker by the management of M/s Sarab Enterprises, New G. T. Road, Damtal, District Kangra (H. P.) w.e.f. 15-5-99 after his decade long service without any reason, notice and without compliance of section-25(F) of the Industrial Disputes Act, 1947, is legal and justified. If not, to what relief of consequential service benefits and amount of compensation, Shri Avatar Singh is entitled?”

शिमला-171001, 19 जनवरी, 2000

संख्या 11-1/86 (लैब) साई 0 डी 0-मल.— अधोहस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Shri Furkan Ali, Ex-worker and

the management of M/s Arsh Casting Pvt. Ltd., Jagatpur, Paonta Sahib, District Sirmaur, (H. P.) के मध्य नीचे दिये गए विषय पर औद्योगिक विवाद है ;

और औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 12(4) के अधीन ममशोता अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर उक्त अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के अधीन विचार करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी ने निर्णय लिया है कि मामला श्रम-न्यायालय/औद्योगिक अधिकरण को अधिनियम के लिए भेजने योग्य है।

अतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 19-8/89-श्रम (लूज), दिनांक 7 सितम्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इस मामले को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम-न्यायालय/औद्योगिक अधिकरण, हिमाचल प्रदेश को नीचे ब्याख्या किये गए विषय पर अधिनियम देने के लिए भेजा जाता है :—

“Whether the action of the Management of M/s Arsh Casting Pvt. Ltd., Village Jagatpur, Paonta Sahib, District Sirmaur (H. P.) in imposing the penalty of dismissal from service upon Shri Furkan Ali, ex-worker w.e.f. 23-4-98 on the basis of the enquiry findings for the alleged absence is disproportionate to the alleged offence committed by the worker and whether the rejection of his demand for engaging an advocate as his defence assistant during the enquiry proceedings, is legal and justified. If not, to what effect?”

हस्ताक्षरित-  
श्रमायुक्त

भाग-4—स्थानीय स्वायत्त शासन, म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग

-मूल्य-

#### भाग-5—व्यक्तिगत अधिसूचनाएं और विज्ञापन

THE BAR COUNCIL OF HIMACHAL PRADESH,  
SHIMLA-1

HIGH COURT BUILDING, RAVENSWOOD  
SHIMLA-1.

#### NOTICE

Shimla-1, the th January, 2000

No. BCHP/2-1/2000.—It is hereby notified that for the purpose of preparing Final Electoral Roll in accordance with Rules 2 & 3 of Chapter I, Part-III of the Rules framed by the Bar Council of India under section 3(4), 10B, 15 (2) (a), 49 (1) (a) and (ab) of the Advocates Act, 1961, for the next election of Members to this Council, the particulars as to any of the disqualifications as referred in the Clauses (a) to (g) of Rule 2 shall be furnished by an Advocate who has incurred them to the State Council within 30 days of the date of issue of this notice.

(RULE 2 IS REPRODUCED BELOW)

2. The name of an advocate appearing in the State Roll shall not be on the Electoral roll, if on information received or obtained by the State Bar Council concerned on the basis of which it is satisfied that:—

- (a) His name has at anytime been removed;
- (b) He has been suspended from practice, provided that his disqualification shall operate only for a period of five years from the date of the expiry of the period of suspension.

(c) he is an undischarged insolvent;

(d) he has been found guilty of an election offence in regard to an election to the State Council by an election tribunal, provided however that such disqualification shall not operate beyond the election next following after such finding has been made;

(e) He is convicted by a competent court for an offence involving moral turpitude, provided that this disqualification shall cease to have effect after a period of two years has elapsed since his release;

(f) he is in full time service or is in such part-time business or other vocation not permitted in the case of practising advocates by the rules either of the State council concerned or the Council;

(g) he has intimated voluntary suspension of practice and has not given intimation of resumption of practice.

#### Explanation :

If an advocate who has incurred an disqualification as referred to in Rule 2 and does not furnish details about it as required in the notice under Rule 4 of these Rules within time specified shall be deemed to have committed an act of other misconduct as referred to in section 35(1) of the Act.

PREM GOEL,  
Secretary.

परन्तु  
विचार कि  
पद के भर्ती  
:  
परन्तु  
की अपेक्षा  
अपान हो  
विचार के



Dated, Shimla-1, the Jan., 2000

Number on the State Roll:.....

1. Name of the advocate as on the Roll (in block letters).....
2. (a) Address of the Advocate..... (as on the state Roll)
- (b) Present address.....
3. (a) Have you incurred any of the disqualification mentioned in rule 2 of Chapter-I, Part-III of the Rules of the Bar Council of India.....
4. Are you a member of any Bar Association? (If so give the name).....
5. Where do you intend to cast your vote..... (If you are not a voter entitled to vote by Postal Ballot)

I hereby declare and affirm that the foregoing statements are true to my knowledge and I have not concealed anything thereto.

Place:

Date:

Signature in full.

व अदालत श्री के० आर० भारद्वाज, कार्यकारी दण्डाधिकारी, घुमारवीं, जिला बिलासपुर (हि० प्र०)

राजेश कुमार सुपुत्र श्री शिव राम, निवासी ग्राम रच्छड़ा, परगना तियून, तहसील घुमारवीं, जिला बिलासपुर (हि० प्र०) प्राथी।

बनाम

ग्राम जनता

प्रतिवादी।

दरखास्त जेर धारा 13(3) पंजीकरण जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

उपरोक्त मुकद्दमा में श्री राजेश कुमार प्राथी ने दिनांक 21-12-1999 को इस अदालत में प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि उसके लड़के मनजीत कुमार का जन्म दिनांक 19-10-96 को उसके निवास पर हुआ लेकिन जन्म तिथि समय पर ग्राम पंचायत लुहारवीं में दर्ज नहीं करवाया गया है। अब दर्ज करने के आदेश जारी किए जाएं।

अतः ग्राम जनता को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को इस वारा कोई उजर व एतराज आदि हो तो वह पेशी दिनांक 15-2-2000 समय 10.00 बजे सुबह या उससे पूर्व अदालत या वकालत हाजिर अदालत होकर पेश करें। अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 24-12-99 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

के० आर० भारद्वाज,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
घुमारवीं, जिला बिलासपुर,  
हिमाचल प्रदेश।

न्यायालय उप-मण्डल दण्डाधिकारी, अटिघात (चुवाड़ी), जिला चम्पा (हि० प्र०)

परम राम पुत्र गिंदू राम, निवासी भोट, परगना अट्टा टिकरी, मवन्तहसील सियुन्ता, जिला चम्पा (हि० प्र०)।

बनाम

ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) पंजीकरण जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री परम राम पुत्र श्री गिंदू राम, निवासी भोट, परगना अट्टा टिकरी ने एक प्रार्थना-पत्र ब्यान हल्की सहित प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उसकी मही जन्म तिथि 5-1-1954 को है इन्ने पंचायत रिकार्ड रजि में दर्ज करने के आदेश जारी किए जाएं।

सर्वनाधारण जनता को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस जन्म तिथि दर्ज करने वारे किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह अपना एतराज दिनांक 12-2-2000 को या इससे पूर्व इन न्यायालय में हाजिर हो कर प्रस्तुत करें। अन्यथा जन्म तिथि दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 24-12-99 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षर:-

उप-मण्डल दण्डाधिकारी (चुवाड़ी),  
जिला चम्पा (हि० प्र०)

व अदालत श्री ए० एल० गुलेरिया, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नम्बर:-/ता० तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी

सोनम लाहोमा

बनाम

ग्राम जनता व अन्य

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री सोनम लाहोमा सुपुत्री श्री रितुचिन, निवासी जोगोवाड़ा रोड़, मकलौड़ गंज, मोथा व तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा न इस अदालत में अपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी अपनी जन्म तिथि 9-3-72 है। परन्तु एम० सी० धर्मशाला में उक्त तारीख पंजीकृत न हुई है। अतः इस पंजीकृत किए जाने के आदेश दिए जाएं।

अतः इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त व्यक्ति की जन्म तिथि पंजीकरण किए जाने वारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 14-2-2000 को अदालत या वकालत हाजिर हो कर उजर पेश कर सकता है। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर उक्त जन्म तिथि पंजीकृत करने वारे आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 5-1-2000 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

ए० एल० गुलेरिया,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी, धर्मशाला,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा श्रीमती अनीता कुमारी विधवा श्री वरीन्द्र कुमार सुपुत्र श्री अमर चन्द, निवासी महाल अम्बोट्ट, मौजा भरोली, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म तिथि एवं मृत्यु अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्रीमती अनीता कुमारी ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि उसके पुत्र रजत कुमार का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज नहीं करवाया गया है। अब दर्ज किया जाए। इसके पुत्र की जन्म तिथि 6-10-1994 तथा बच्चे का जन्म ग्राम पंचायत घुरकल, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा (हि 0 प्र 0) में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने वाले में आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 14-2-2000 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वांछित को माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर हो कर पेश करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाई अमल में लाई जाएगी।

प्राज दिनांक 7-1-2000 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-

कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री नेतर सिंह भारद्वाज, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं० 31/99

तारीख पेशी 16-2-2000

नाम मुकद्दमा: चूनी लाल

बनाम

धुन्ना देवी आदि।

किस्म मुकद्दमा:

तकसीम भूमि खाता नं० 31 खतोनी नं० 83 खसरा नं० 620, 631 किता-2 रकबा तादादी 0-13-29 है 0 तथा खतोनी नं० 84 खसरा नं० 619, 621 किता-2 रकबा तादादी 0-09-54 है 0 कुल किता-4 कुल रकबा 0-22-83 है 0 स्थित महाल ओचा, मौजा गगल, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि 0 प्र 0) अमावन्दी साल 1996-97.

बनाम:

1. श्रीमती धुन्ना देवी विधवा अमर नाथ पुत्र नारायण दाम,  
3. प्रणोत्तम सिंह, 4. विषण दास पूजाणव, 5. श्रीमती जानी देवी,  
6. गुडडी देवी, 7. कुमारी सुभाषणा पुत्रियां, 8. श्रीमती मंशा देवी विधवा माधो राम पुत्र फिहू, 9. प्रीतम लाल, 10. देश राज, 11. आत्मा राम पुत्रान, 12. कोणल्या देवी पुत्री, 13. श्रीमती वॉको पुत्री किरपा,  
14. प्रताप चन्द पुत्र लखू पुत्र हीरा, सभी निवासी महाल ओचा, मौजा गगल, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

...उत्तरवादीगण।

उपरोक्त जनमान मुकद्दमा में उत्तरवादीगण को बर्जिया समन तलब करने पर पाया गया कि वह मुकाम पर नहीं रहने हैं और उनके सही पते न होने के कारण उनकी तामील साधारण ढंग में नहीं हो

सकती है। अतः उन्हें इस इशतहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वह असालतन या वकालतन दिनांक 16-2-2000 को प्रातः 10 बजे हाजर अदालत आकर पैरवी मुकद्दमा करें अन्यथा हस्व जाव्वा कायावाही अमल में लाई जावेगी।

प्राज दिनांक 30-12-99 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

नेतर सिंह भारद्वाज,  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री ए० एल० गुलेरिया, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नम्बर—नायबतहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी

Jamgha

बनाम

ग्राम जनता व अन्य।

विषय:—प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री Jamgha सुपुत्र श्री Sonam Wangdu, निवासी Jogibara Road, Mcleodganj, मौजा व तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी अपनी जन्म तिथि 27-2-1973 है परन्तु एम० सी० D/Sala में उक्त तारीख पंजीकृत न हुई है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त व्यक्ति की जन्म पंजीकरण किये जाने वाले कोई एतराज हो तो वह हमारी अदालत में दिनांक 14-2-2000 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर उजर पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने वाले आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

प्राज दिनांक 5-1-2000 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

ए० एल० गुलेरिया,  
नायब तहसीलदार एवं  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री ए० एल० गुलेरिया, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नम्बर—नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी

कृष्ण चन्द

बनाम

ग्राम जनता व अन्य।

विषय:—प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री कृष्ण चन्द सुपुत्र श्री किहू राम, निवासी सुकड, मौजा सुकड, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री ज्योती की जन्म तिथि 12-3-1996 है परन्तु ग्राम पंचायत सुकड में उक्त तारीख पंजीकृत न हुई है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश

परन्तु  
विचार कि  
पद के भर्ती

परन्तु  
की अपक्षा  
अपात्र हो  
विचार के

दिये जाये। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त वचने को जन्म पंजीकरण किये जाने वाले कोई एतराज हो तो वह हमारी अदालत में दिनांक 15-2-2000 को अमालतन या बगलतन हाजिर होकर उजर पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म निधि पंजीकृत किये जाने वाले आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक ..... को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

ए० एल० मुन्तेरिया,  
नायब तहसीलदार एवं  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश।

व अदालत नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं० 41/NT/99

तारीख पेशी 14-2-2000

1. महेश कुमार पुत्र लच्छमण, 2. भोमती पुनम सुपुत्री महेश कुमार सुपुत्र लच्छमण सुपुत्र, उपरली बड़ौल मौजा धनियारा, तहसील धर्मशाला ... प्रार्थी।

बनाम

1. दालवी, 2. पारु राम 3. दुनी चन्द, 4. श्रमती प्रेमी सुपुत्री भगत, 5. भानुपुत्र भगत, 6. भोम सैन, 7. राम किशन, 8. जगदीश पुत्र कपोया, 9. श्रमती नुकरु पुत्री नोक्, 10. चुनी लाल पुत्र व, 11. दानी देवी, 12. सीता देवी पुत्री मुसाफिर, 13. निर्मला पुत्री गुलाब सिंह, 14. रम्बा कुमारी, 15. शांता लाम्बा पुत्री नरेश सिंह, 16. रमेश चन्द पुत्र बलाकी राम, निवासी उपरली बड़ौल, मौजा धनियारा, तहसील धर्मशाला ... प्रत्यर्थागण।

प्रार्थन-पत्र बाबत तकसीम भूमि खाता नं० 1 खतौनी नं० 1 व 2, खतरा किता 3, रकबा ताददी 0-35-63 हैक्टेयर, बाक्या म्हाल उपरली बड़ौल, मौजा धनियारा, तहसील धर्मशाला जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश। जमाबन्दी वर्ष 1992-93।

नोटिस बनाम :

9. श्रमती नुकरु पुत्री नोक्, 10. चुनी लाल पुत्र व, 11. श्रमती दानी देवी, 12. सीता देवी, पुत्री मुसाफिर, 13. निर्मला पुत्री गुलाब सिंह, 16. रमेश चन्द पुत्र बलाकी राम, निवासी उपरली बड़ौल, मौजा धनियारा, तहसील धर्मशाला।

उपरोक्त दावा तकसीम इस न्यायालय में विचाराधीन है। जिसमें प्रत्यर्थागण की हाजरी जहूरो है। उपरोक्त प्रत्यर्था की कई बार अदालत द्वारा बजरिया समन तलब किया लेकिन हर बार समन बिला तामील प्राप्त होते रहे। अतः न्यायालय को पूर्ण विश्वास हो चुका है कि प्रत्यर्था की साधारण ढंग से तामील होता असम्भव है।

अतः इस राजपत्र इस्तहार द्वारा उपरोक्त प्रत्यर्थागण को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई एतराज हो तो वह अमालतन या बगलतन या अपने किसी एजेंट द्वारा हाजिर होकर दिनांक 14-2-2000 को सुबह 10.00 बजे पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफ कार्यवाही अनन्य में लाई जायेगी।

आज दिनांक 1-1-2000 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी,  
धर्मशाला (हि० प्र०)।

व अदालत श्री जिवंदर कुमार हंस, सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा : तकसीम अराजी

मुकद्मा नम्बर : 33-NT/99

श्री श्रीकार सिंह सुपुत्र श्री वसन्त सिंह सुपुत्र श्री लखु राम, निवासी म्हाल वन्दल, मौजा गाहलियां, तहसील व जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ... प्रार्थी।

बनाम

1. गुलाब सिंह सुपुत्र वसन्त सिंह, 2. कैलाश देवी पुत्री जय देवी, 3. कुष्मा देवी उर्फ फूलों देवी सुपुत्री जय देवी, 4. सत्या देवी सुपुत्री बुधी सिंह, 5. तरलोक सिंह, 6. रञ्जाल सिंह, 7. प्रधान सिंह, 8. कल्याण सिंह सुपुत्रात बुधी सिंह ... प्रत्यर्थागण।

दरखास्त तकसीम अराजी खाता नं० 1, खतौनी नं० 1, 2, 3, खतरा नं० 21, 22, 27, 31, 79, 82, 118, 119, 121, 131, 142, 143, 144, 149, 150, 151, 152, 163, 164, 165, 166, 174, 189, 213, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 568, 569, 571, 572, 573, 574, 575, 576/1, 581, 582, 583, 584, 585, 588, 589, 590, 601, 602, 117, 145, 570, 577, कित्ता 55, रकबा ताददी 09-87-91 हैक्टेयर, बाक्या म्हाल वन्दल, मौजा गाहलियां, तहसील व जिला कांगड़ा। मृदाब्दी जमाबन्दी 1994-95।

उनवान मुकद्मा उपरोक्त अदालत हजा में जेर गोर है। जिसमें प्रतिवादीगण को तामील समन साधारण तरीका से न हो रही है। लिहाजा प्रतिवादीगण को इस इस्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वह मिति 10-2-2000 को सुबह 10.00 बजे अमालतन या बगलतन हाजिर अदालत होकर परेवी मुकद्मा करें। हाजिर न होने की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 24-1-2000 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

जिवंदर कुमार हंस,  
सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी,  
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री जगदीश चन्द, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

तारीख पेशी : 10-2-2000

नरेश कुमार वर्मा

बनाम

ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म तिथि एवं मृत्यु अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री नरेश कुमार वर्मा ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि इसके पुत्र नितेश कुमार वर्मा का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है अब दर्ज किया जावे। इसके पुत्र को जन्म तिथि 25-11-1993 तथा वचने का जन्म प्रीतम नगर (सिरोलपुरी) गांव में हुआ है।

अतः नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा संबंधित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को नाम दर्ज करने वाले कोई आपत्ति या उजर हो तो दिनांक 10-2-2000 समय 10 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वाञ्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर आकर प्रकाशन करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 11-1-2000 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

जगदीश चन्द,  
नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत जनाब नायब-तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

मु0 नं0 : 4/99-एन0 टी0

किस्म मुकद्दमा—दरुस्ती  
पेशी तिथि : 12-2-2000

योद्ध राज बनौरा

बनाम

बिल्लु ।

उपरोक्त मुकद्दमा में प्रतिवादी बिल्लु पुत्र घुंगर पुत्र दानी, निवासी गांव व डाकघर भुग्गा-सलोह, तहसील पालमपुर को कई बार समन भेजे गये, परन्तु तामील समन न हो रही है। अब न्यायालय को विश्वास हो गया है कि समन कि तामील साधारण तरीके से करवानी सम्भव न है। अतः प्रतिवादी बिल्लु को वज्रिया इशतहार सूचित किया जाता है कि वह पेशी तिथि 12-2-2000 को प्रातः 10.00 बजे न्यायालय में असालतन या वकालतन होजिर हो कर परवी मुकद्दमा करे अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 15-12-99 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय के साथ जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
नायब-तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,  
द्वितीय श्रेणी, पालमपुर।

व अदालत जनाब श्री. राम दयाल हरनोट, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

श्री मस्त राम पुत्र बशाखू राम, निवासी महाल मतेहड़, मौजा बनूरी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, के तहत दरखास्त।

उपरोक्त श्री मस्तराम ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र दिया है कि उनकी माता श्रीमती कोला देवी पत्नी बशाखू राम की मृत्यु 4-5-1987 को हुई है। जो कि ग्राम पंचायत बनूरी के अभिलेख में दर्ज न है तथा मृत्यु का पंजीकरण ग्राम पंचायत अभिलेख में दर्ज करवाना चाहता है।

अतः सर्व साधारण वज्रिया इशतहार सूचित किया जाता है कि अगर श्रीमती कोला देवी पत्नी श्री बशाखू राम की मृत्यु तिथि 4-5-1987 दर्ज करने बारे किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अदालत में 14-2-2000 को सुबह 10.00 बजे होजिर आकर व्यान करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 10-1-2000 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत के साथ जारी हुआ।

मोहर।

राम दयाल हरनोट,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी, पालमपुर।

व अदालत उप-मण्डल दण्डाधिकारी, उप-मण्डल कल्पा स्थित  
रिकांग पिआ, जिला किन्नौर, हि0 प्र0

श्री जय सिंह

बनाम

आम जनता

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री जय सिंह पुत्र श्री मना जीत, निवासी गांव बारंग, तहसील कल्पा, जिला किन्नौर, हि0 प्र0 ने इस अदालत में दरखास्त

प्रस्तुत किया है कि उनके परिवार के निम्नलिखित सदस्यों का नाम व जन्म तिथि ग्राम पंचायत बारंग के अभिलेख में दर्ज नहीं है; अतः इनके नाम व जन्म तिथि पंजीकरण हेतु सम्बन्धित पंचायत को आदेश जारी करने की कृपा करें।

क्रमांक	नाम	जन्म तिथि
1.	ललीता कुमारी पुत्री श्री जय सिंह	4-4-1988
2.	अनुराधा पुत्री -यथो-	6-6-1990
3.	चितर रेखा पुत्री -यथो-	11-8-1992

अतः इस इशतहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्त नाम व जन्म तिथि पंजीकरण हेतु कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 14-2-2000 को सुबह 10.00 बजे असालतन या वकालतन अदालत हुआ में होजिर आकर प्रस्तुत करे वरना एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर, उपरोक्त व्यक्तियों के नाम पंचायत अभिलेख में दर्ज करने के आदेश दे दिये जाएंगे।

आज दिनांक 14-1-2000 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
उप-मण्डल दण्डाधिकारी,  
उप-मण्डल कल्पा स्थित रिकांग-पिआ,  
जिला किन्नौर (हि0 प्र0)।

व अदालत श्री भाग देव शर्मा, तहसील मूरंग ब अख्तियार सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, तहसील मूरंग, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश

उनवान.—तसदीक इन्तकाल नं0 98 मकफुद-उल-खबरी उप मुहाल, जंगी खास, तहसील मूरंग, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश।

विद्या राम पुत्र सुख राम, निवासी जंगी, तहसील मूरंग, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

राम लाल पुत्र सुख राम, निवासी जंगी, तहसील मूरंग, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश।

इशतहार बनाम विद्या राम पुत्र सुख राम, निवासी जंगी।

उपरोक्त आक्षेप का इन्तकाल नं0 98, उप मुहाल जंगी, तहसील मूरंग, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश हमारे समक्ष बरास्त बराये मकफुद-उल-खबरी तसदीक हेतु पेश हुआ बरबवन तसदीक पाया गया कि श्री विद्या राम पुत्र सुख राम, निवासी जंगी, अरसा 12-13 वर्षों से लापता है तथा उन व्यक्तियों द्वारा नहीं देखा गया जिन द्वारा देखा जाना अपेक्षित था। विश्वास किया जाता है कि उपरोक्त विद्या राम मृत्यु पा चुका है। इसलिए उक्त इन्तकाल का फैसला वहक बारसान होना उचित समझा गया।

अतः इशतहार हुआ द्वारा उपरोक्त विद्या राम को सूचित किया जाता है कि अगर वह जिन्दा हो तो इस इशतहार के प्रकाशन की तारीख से अन्दर 30 दिन हमारी अदालत में असालतन व वकालतन परवी कर सकता है। वसूरत दीगर उसे मृत समझकर उपरोक्त इन्तकाल उप-मण्डलीय समाहर्ता के आदेश प्राप्त करके स्वीकृत कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 11-1-2000 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

भाग देव शर्मा,  
तहसीलदार, तहसील मूरंग, जिला किन्नौर,  
हिमाचल प्रदेश।

बन्धुदालत श्री भाग देव शर्मा, तहसीलदार मूरंग, तहसील मूरंग  
जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश

उनवान.—तत्कालीन इन्तकाल नं० 135 विरास्त बराये वसीयत  
अपजीकृत, ताशी कुन्जम विधवा उमासरन, निवासी रिब्बा,  
तहसील मूरंग, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

चन्द्र भगत पुत्र नरगू दर्जे, निवासी रिब्बा, तहसील मूरंग, जिला  
किन्नौर, हिमाचल प्रदेश।

इस्तहार जेर धारा 23 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम,  
1954 बनाम उत्तराधिकारीगण श्रीमती ताशी कुन्जम विधवा उमा  
सरन, निवासी रिब्बा।

उपरोक्त आक्षेप का इस्तकाल नं० 135 विरास्त बराये वसीयत  
अपजीकृत हमारे समक्ष फैसला हेतु प्रस्तुत हुआ उपरोक्त मूल्का  
श्रीमती ताशी कुन्जम ने एक वसीयत जवानी चन्द्र भगत पुत्र नरगू  
दर्जे, निवासी रिब्बा के नाम अपन जीवन काल में लिखी हुई  
तहरीर होती है। उपरोक्त ताशी कुन्जम का कोई भी उत्तराधिकारी  
हाजिर नहीं हुआ है तथा यह भी ज्ञान नहीं हो रहा है कि उसका  
उत्तराधिकारी कौन है। जिसे इतलाह करवाई जा सके।

अतः इस्तहार हजा द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त  
ताशी कुन्जम विधवा उमा सरन, निवासी रिब्बा का कोई उत्तरा-  
धिकारी हो तो वह इस इस्तहार के प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर  
हमारे अदालत में अमालतन व बकालतन हाजिर होकर पैरबी कर  
सकता है। अदम पैरबी इस्तकाल विरास्त मुताबिक वसीयत जवानी  
तसदीर कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 11-1-2000 को मरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से  
जारी हुआ।

मोहर।

भाग देव शर्मा,  
तहसीलदार, मूरंग,  
जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री सैन राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप-तहसील  
आनी, जिला कुल्लू

ब मुकद्दमा :

श्री पूर्ण चन्द पुत्र मोलू राम, गांव तराला फाटी बुच्छैर कोठी  
नारायणगढ़, तहसील आनी, जिला कुल्लू।

बनाम,

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) पंजीकरण जन्म व मृत्यु।

श्री पूर्ण चन्द पुत्र मोलू राम, गांव तराला फाटी बुच्छैर कोठी  
नारायणगढ़, उप-तहसील आनी ने इस कार्यालय में निवेदन किया है  
कि प्रार्थी के पुत्र सुनील कुमार की जन्म तिथि 28-7-1995 सही  
व दुस्त है। प्रार्थी ने इसकी जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में  
पंजीकृत नहीं की गई।

अतः आम जनता को इस्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि  
अगर इस बारे में किसी को कोई उजर या आपत्ति हो तो वह  
दिनांक 11-2-2000 को अमालतन या बकालतन इस कार्यालय में  
प्रातः 10 बजे हाजिर आवें तथा अपनी आपत्ति पेश करें। अन्यथा  
एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-12-1999 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर  
अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सैन राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री सैन राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप-तहसील आनी;  
जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

श्री गुरदयाल पुत्र श्री जश, निवासी नगीट, फाटी कोहिला,  
कोठी जलोड़ी, उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र लापता पिता श्री जश की अराजीयत का इस्तकाल  
बारसान के नाम किये जाने के लिये प्रार्थना-पत्र।

श्री गुरदयाल पुत्र श्री जश, निवासी नगीट, फाटी कोहिला,  
कोठी जलोड़ी, उप-तहसील आनी ने इस कार्यालय में निवेदन किया  
है कि प्रार्थी के पिता श्री जश 34 सालों से लापता है जिन की  
बहुत छानवीन कर ली है जिसका कोई भी सुरांग नहीं मिला।  
अतः आम जनता को इस्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि  
अगर इस बारे में किसी को कोई उजर या आपत्ति हो तो वह  
दिनांक 11-2-2000 को अमालतन या बकालतन इस कार्यालय में  
प्रातः 10 बजे हाजिर आवें तथा अपनी आपत्ति पेश करें अन्यथा  
एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-12-1999 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर  
अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सैन राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री सैन राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप-तहसील  
आनी, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

श्री सैन पुत्र सैहन वक्श, गांव वैहरी, फाटी सोईघार, कोठी  
सिरीगढ़, उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) पंजीकरण जन्म व मृत्यु।

श्री सैन पुत्र सैहन वक्श, गांव वैहरी, फाटी सोईघार, कोठी  
सिरीगढ़, उप-तहसील आनी ने इस कार्यालय में निवेदन किया है  
कि प्रार्थी के पुत्र ईलामुहम्मद की मृत्यु तिथि 14-11-1999 सही  
है ब्यान हलफिया संलग्न दरखास्त है। प्रार्थी ने इस की मृत्यु  
बिधि पंचायत रिकार्ड में पंजीकृत नहीं की गई है अतः आम जनता  
को इस इस्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर इस बारे  
में किसी को कोई उजर या आपत्ति हो तो वह दिनांक 11-2-2000  
को अमालतन या बकालतन इस कार्यालय में प्रातः 10 बजे हाजिर  
आवे तथा अपनी आपत्ति पेश करें अन्यथा एक तरफा कार्यवाही  
अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-12-1999 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर  
अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सैन राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।



ब अदालत श्री सैन राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप-तहसील आनी

ब अदालत श्री परमदेव शर्मा, नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील बलदाड़ा, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

मुकद्दमा :

श्रीमती हीरा देवी त्यागी पत्नी जीवन दास, गांव ब फाटी कराना, कोठी जांजा, उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू।

सरकार हिमाचल प्रदेश बजरिया नायब तहसीलदार, उप-तहसील बलदाड़ा, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।  
..वादी।

बनाम

बनाम

आम जनता

आम जनता

..प्रतिवादी।

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) पंजीकरण जन्म व मृत्यु।

हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम, 1956 (एक्ट नं० XXX आफ 1956) के चैप्टर 8 के अन्तर्गत इशतहार।

श्रीमती हीरा देवी त्यागी पत्नी जीवन दास, गांव कराना, फाटी कराना, कोठी जांजा उप-तहसील आनी ने इस कार्यालय में निवेदन किया है कि उसके पुत्र सन्दीप कुमार का जन्म तिथि 28-4-1997 को हुआ परन्तु प्राप्ति ने इसकी जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में पंजीकृत नहीं की है अतः आम जनता को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर इस बारे में किसी को कोई उजर या आपत्ति हो तो वह दिनांक 11-2-2000 को असालतन या बकालतन इस कार्यालय में प्रातः 10 बजे हाजिर आवें तथा अपनी आपत्ति पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

श्री गंगा राम पुत्र भणू राम, निवासी भरनाल डाकघर ढलवाण, उप-तहसील बलदाड़ा, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश स्वर्ण सिंघार चुका है। श्री गंगा राम की शादी भी नहीं हुई थी इसलिए वरास्त का कोई भी इन्तकाल दर्ज नहीं किया गया न ही उसका कोई नजदीकी, हकीकी, रिश्तेदार मौजूद है। वह मन्दर्जा खेवट खतोनी नं० 166/192 खसरा नम्बर 523, 524, 499 कित्ता-3 रकबा तादाबो-0-22-30 है 0 वाक्या मुहाल भरनाल/429 का वाहिद मालिक व काबिज दर्ज कागजात माल है। उसका नजदीकी, हकीकी रिश्तेदार न होने के कारण उपरोक्त वर्णित भूमि का इन्तकाल नं० 261 दिनांक 24-3-1999 दर्ज वहक सरकार हिमाचल प्रदेश लिया गया है। अतः हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम 1956 के अध्याय-2 के नियम 8 के अन्तर्गत आम जनता को सूचित किया जाता है कि अगर उपरोक्त इन्तकाल बारा किसी व्यक्ति विशेष को कोई भी एतराज हो तो वह असालतन या बकालतन अपनी आपत्ति दिनांक 14-2-2000 को सुबह 10 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। उसके बाद कोई भी आपत्ति की सुनवाई नहीं होगी व उपरोक्त इन्तकाल वहक सरकार हिमाचल प्रदेश तस्दीक कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 18-12-99 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सैन राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू, (हि० प्र०)।

ब अदालत सैन राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप-तहसील आनी

आज दिनांक 30-12-99 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

परमदेव शर्मा,  
नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,  
द्वितीय श्रेणी, बलदाड़ा, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

ब मुकद्दमा :

श्री भगत राम पुत्र कमल दास, गांव शार्डी, फाटी कुंश, कोठी जांजा, उप-तहसील आनी, जिला कुल्लू।

ब अदालत श्री बी० डी० शर्मा, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

हंसराज पुत्र श्री लाला, गांव बलदाड़ा मतेहड़ी, इलाका सुरागा, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश  
..प्राप्ति।

बनाम

आम जनता

विषय : प्रार्थना-पत्र बगर्ज दस्तनाम।

उक्त प्राप्ति ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि उसका नाम पंचायत रिकार्ड एवं पाठशाळा में हंसराज दर्ज है। परन्तु कागजात माल में कश्मीर चन्द गलत दर्ज है। अतः उसका नाम कागजात माल में हंसराज दर्ज किया जावे।

अतः आम जनता को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्राप्ति हंसराज उपनाम कश्मीर चन्द का नाम राजस्व अभिलेख में कश्मीर चन्द के स्थान पर हंसराज दर्ज करने में किसी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो वह दिनांक 16-2-2000 को प्रातः 10 बजे असालतन या बकालतन इस न्यायालय में प्रस्तुत कर

परन्तु  
विचार कि  
पद के अर्त  
परन्तु  
की अपक्ष  
अप्राप्त हो  
विचार कि

आज दिनांक 18-12-99 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सैन राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
उप-तहसील, आनी।

सकता है। अन्यथा यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को उपरोक्त दहस्ती करने में कोई आपत्ति नहीं है। तथा प्रार्थना-पत्र में नियमानुसार कार्यवाही करके राजस्व अभिलेख में दहस्ती कर दी जायेगी।

आज दिनांक 3-1-2000 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय से जारी हुआ।

मोहर।

बी० डी० शर्मा,  
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,  
सरकाघाट, जिला मण्डी।

ब अदालत श्री डी० आर० वर्मा, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, नाहन  
जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा/9/99.

श्री इन्द्रा पुण्डरी पत्नी श्री अमर सिंह, निवासी मझौली,  
तहसील नाहन।

बनाम

1. श्री गोपाल सिंह, हूरा सिंह, ज्ञान चन्द पुत्र सिंह निवासी गण  
मझौली, तहसील नाहन, 2. श्री रमेश, राजेश, गीता पुत्र व पुत्री  
श्री माम राज पुत्र अर्जुन सिंह, निवासी मझौली, तहसील नाहन।

प्रार्थना-पत्र दहस्ती इन्द्राज कब्जा काश्त भूमि खाता/खतौनी  
नं० 35/70 मिन खसरा 473/462, तथा 637, तादादी 6-13  
बिघा बाका मौजा मझौली, तहसील नाहन, हिमाचल प्रदेश।

उपरोक्त मुकद्दमा दहस्ती कब्जा काश्त करीक अम्बल ने इस  
न्यायालय में गुजारा है। लेकिन करीक दोयम गोपाल सिंह करार  
बताया जाता है। जिसका वर्तमान पता बारे कोई इल्म नहीं है।  
जिसमें तामील साधारण तरीके से सम्भव नहीं है। अतः इस इशतहार/  
नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 14-2-2000 को  
असालतन या वकालतन प्राप्तः 10 बजे इस न्यायालय में हाजिर  
होकर पैरवी मुकद्दमा करें अन्यथा इस मुकद्दमा में वसुरत दीगर कार्यवाही  
एकतरफा अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 12-1-2000 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से  
जारी हुआ।

मोहर।

डी० आर० वर्मा,  
सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी,  
नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री राहुल आनन्द, भा० प्र० से० उप-मण्डल दण्डाधिकारी,  
पाँवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा:

श्री मनी राम पुत्र उदय राम, निवासी कमरऊ।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बराये दहस्ती नाम।

उपरोक्त मुकद्दमा आम वाला में श्री मनी राम पुत्र उदय राम,  
निवासी कमरऊ मय बयान हल्किया बयानात/प्रार्थना पत्र दिया है  
कि आम पंचायत कमरऊ के रिकार्ड में उसकी पत्नी व बच्चे नाम  
श्रीमती शान्ति, तपेन्द्र, रविन्द्र पुत्र एवं सीमा पुत्री गलती से उसके  
भाई खुशी राम के नाम दर्ज हो गए हैं जबकि उक्त सदस्य उसके  
परिवार के हैं। इस गलती को दहस्त किया जाए।

अतः आम जनता की बज्रिए इशतहार सूचित किया जाता है  
कि अगर उपरोक्त बारे किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह  
अधोहस्ताक्षरी की अदालत में दिनांक 17-2-2000 से पूर्व अपने  
एतराज असालतन या वकालतन पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि  
पर कोई एतराज प्राप्त ना होने की सूत्र पर श्री मनी राम के  
प्रार्थना-पत्र पर आगामी कार्यवाही कर दी जाएगी।

आज दिनांक 12-1-2000 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर  
से जारी हुआ।

मोहर।

राहुल आनन्द,  
उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पाँवटा साहिब,  
जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना,  
तहसील व जिला ऊना

मुकद्दमा : मृत्यु तिथि प्रमाण-पत्र

राम चन्द

बनाम

आम जनता

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधि-  
नियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री राम चन्द पुत्र श्री सन्त राम, निवासी गाँव रामपुर, तहसील  
व जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसके  
भाई भजन सिंह पुत्र श्री मन्त राम की मृत्यु किसी कारणवश ग्राम  
पंचायत मृत्यु रजिस्टर में दर्ज न करवाई जा सकी है जो कि अब  
करवाई जावे। प्रार्थी ने मृतक की मृत्यु तिथि 10-11-1998 बताई  
है तथा नाम मृत्यु स्थान रामपुर बताया है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता आम को तथा  
सम्बन्धी रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को  
उक्त मृतक की मृत्यु तिथि दर्ज करवाने बारे कोई आपत्ति एवं उजर  
हो तो वह दिनांक 15-2-2000 को प्रातः दस बजे असालतन या  
वकालतन हाजिर अदालत आ कर पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्य-  
वाही अमल में लाई जा कर प्रार्थी द्वारा बताई गई मृत्यु तिथि दर्ज  
करने के निर्देश जारी कर दिये जायेंगे तथा बाद में कोई भी उजर  
काबले समाप्त न होगा।

आज दिनांक 27-12-1999 को हमारे हस्ताक्षर एवं मोहर  
अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित:-  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, तहसील व जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना,  
तहसील व जिला ऊना

मुकद्दमा : मृत्यु तिथि प्रमाण-पत्र

सोम नाथ

बनाम

आम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री सोम नाथ पुत्र बल्लू राम, निवासी गाँव अप्पर देहला,  
तहसील व जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक दरखास्त गुजारी है  
कि उसकी माता श्रीमती रीणकु की मृत्यु किसी कारणवश ग्राम  
पंचायत/नगरपालिका मृत्यु रजिस्टर में दर्ज न करवाई जा सकी है  
जोकि अब करवाई जावे। प्रार्थी ने मृतक की मृत्यु तिथि 30-8-1999  
बताई है तथा नाम मृत्यु स्थान अप्पर देहला बताया है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता ग्राम को तथा सम्बन्धी रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त मृतक की मृत्यु तिथि दर्ज करवाने वाले कोई आपत्ति एवं उजर हो तो वह दिनांक 15-2-2000 को प्रातः दस बजे असाततन या वकालतन हाजिर अदालत आकर पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर प्रार्थी द्वारा बताई गई मृत्यु तिथि दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिये जायेंगे तथा बाद में कोई भी उजर काबले समाप्त न होगा।

आज दिनांक 7-1-2000 को हमारे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, तहसील व जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना,  
तहरीन व जिला ऊना

मुकद्दमा : मृत्यु तिथि प्रमाण-पत्र

सगली राम बनाम ग्राम जनता

दरखास्त जेर बारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री सगली राम पुत्र गुरदास राम, निवासी गांव लोयर देहवां, तहसील व जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसकी माता श्रीमती सिबो देवी की मृत्यु किसी कारणवश ग्राम पंचायत/नगरपालिका मृत्यु रजिस्टर में दर्ज न करवाई जा सकी है जो कि अब करवाई जावे। प्रार्थी ने मृतक की मृत्यु तिथि 25-8-1986 बताई है तथा नाम मृत्यु स्थान लोयर देहवां बताया है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता ग्राम को तथा सम्बन्धी रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त मृतक की मृत्यु तिथि दर्ज करवाने वाले कोई आपत्ति एवं उजर हो तो वह दिनांक 15-2-2000 को प्रातः दस बजे असाततन या वकालतन हाजिर अदालत आकर पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर प्रार्थी द्वारा बताई गई मृत्यु तिथि दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिये जायेंगे तथा बाद में कोई उजर काबले समाप्त न होगा।

आज दिनांक 7-1-2000 को हमारे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, तहसील व जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश।

In the Court of Shri Ravinder Parkash, Senior Sub  
Judge, Una, District Una H. P.

Succession Act No. 9/99

Date of Institution 26-5-99

Pending for 14-2-2000.

1. Ashok Kumar, 2. Ashwani Kumar, 3. Vijay  
Kumar sons of Bishani Devi wd/o Charanji Lal,  
4. Nirmla Devi, 5. Urmila Devi, 6. Darshana Devi

ds/o Bishani Devi wd/o Shri Charanji Lal, caste  
Brahmin, r/o Village Kalsehra near Mehatpur, Teh.  
Anand Pur Sahib, Distt. Ropar (Pb.) .. Applicants.

Versus.

General Public

... Respondent.

Application for issuance of Succession Certificate  
under Section 372 of Indian Succession Act.

Whereas in the above noted case, applicants have moved an application for the grant of Succession Certificate u/s 372 of Indian Succession Act, in respect of the Rs. 51,378 in State Bank of Patiala, Branch Mehatpur, Distt. Una. vide saving account No. STDR/6-356269 and Rs. 7339/- in State Bank of Patiala Branch Mehatpur, Distt. Una, H. P. vide saving account No. STDR/6-356268 of deceased Shri Charanji Lal, Caste Brahmin, r/o Village Kalsehra near Mehatpur, Tehsil Anandpur Sahib, District Ropar, who died on 12-5-1996.

Hence this proclamation is hereby issued to the General Public and *kith* and *kins* of the deceased to file their objections, if any before this court on or before 14-2-2000 at 10.00 A.M. either personally or through an authorised agent failing which Succession Certificate as sought to be issued shall be granted in favour of the petitioners.

Given under my hand and the seal of the court  
this 18th day of January, 2000.

Seal.

RAVINDER PARKASH,  
Senior Sub Judge,  
Una, District Una (H. P.).

ब अदालत नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना  
तहसील व जिला ऊना

मुकद्दमा : मृत्यु तिथि प्रमाण-पत्र

दिलकम सिंह बनाम ग्राम जनता

दरखास्त जेर बारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता

श्री दिलकम सिंह पुत्र श्री मिलबी राम, निवासी गांव पण्डोमा, तहसील व जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसके पिता मिलबी राम पुत्र नानक चन्द की मृत्यु किसी कारणवश ग्राम पंचायत रजिस्टर में दर्ज न करवाई जा सकी जो अब करवाई जावे। प्रार्थी ने मृतक की मृत्यु तिथि 26-12-94 बताई है तथा नाम मृत्यु स्थान पण्डोमा बताया है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता ग्राम तथा सम्बन्धी रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त मृतक की मृत्यु तिथि दर्ज करवाने वाले कोई आपत्ति एवं उजर हो तो वह दिनांक 15-2-2000 को प्रातः दस बजे असाततन या वकालतन हाजिर अदालत आकर पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रार्थी द्वारा बताई गई मृत्यु तिथि दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिये जायेंगे तथा बाद में कोई भी उजर काबले समाप्त न होगा।

आज दिनांक 27-12-99 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
नायब तहसीलदार एवं  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, तहसील व जिला ऊना।

व अदालत, नाथन तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना, तहसील व जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

व अदालत श्री नेतर सिंह भारद्वाज, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धोरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा : जन्म तिथि प्रमाण-पत्र ।

मिसल नं० 32/99

तारीख पेशी : 16-2-2000

नाम मुकद्दमा :

राम मूर्ति

बनाम

ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्री राम मूर्ति पुत्र श्री हमीर चन्द, निवासी गांव देहला, तहसील व जिला ऊना ने इस न्यायालय में दरखास्त दी है कि उसके दोहते दमन शर्मा पुत्र श्री शिव कुमार का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया जा सका है और अब दर्ज करवाया जावे। इस के दोहते की जन्म तिथि 11-8-98 है तथा बच्चे का जन्म स्थान गांव देहला है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा सम्बन्धी रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उस का नाम दर्ज करने बारे कोई उजर आपत्ति हो तो वह दिनांक 15-2-2000 को प्रातः दस बजे स्वयं श्रथवा असालतन या वकालतन इस अदालत में हाजिर आकर पेश करें अन्यथा यकतरणा कायवाही अमल में लाई जाकर प्रमाण-पत्र जारी करने के निर्देश जारी कर दिये जाएंगे।

आज दिनांक

को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत

से जारी हुआ ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित/-  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, तहसील व जिला ऊना ।

बनाम

2. प्रशोत्तम पुत्र व 3. श्रीमती जानो देवी, 4. गुड्डो देवी, 5. श्रीमती सुभाषणा पुत्रियां, 6. श्रीमती मन्शा देवी विश्वा माधो राम पुत्र फिन्दु, 7. प्रताप चन्द, 8. प्रीतम चन्द, 9. देश राज, 10. आत्मा राम पुवान व, 11. श्रीमती कौशल्या देवी पुत्री बांको देवी पुत्री किरणा, 12. प्रताप चन्द पुत्र लखू राम, 13. रिखा राम पुत्र नंदा पुत्र चुहड़ू, 14. सतोश कुमार पुत्र लालमन सभी निवासी महाल ओच, मौजा गगल, उप-तहसील धोरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

उत्तरवादीगण ।

## CORRECTION IN DATE OF BIRTH

I, Karnail Singh s/o Shri Pritam Singh, r/o Amargarh Puruwalla, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmaur, Himachal Pradesh do hereby solemnly affirm and declare that my correct date of birth as per school record is 1-11-1979 instead of 16-5-1979. The same may please be corrected in the Panchayat Record.

Karnail Singh s/o  
Shri Pritam Singh, r/o Amargarh  
Puruwalla, Tehsil Paonta Sahib,  
District Sirmaur (H.P.).

उपरोक्त उनवान मुकद्दमा में उत्तरवादीगण को वज्रिया समन तलब करने पर पाया गया कि वह मुकाम पर नहीं रहते हैं और उनके सही पते न होने के कारण उनकी तामील साधारण हंग से नहीं हो सकती है। अतः उन्हें इस इस्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वह असालतन या वकालतन दिनांक 16-2-2000 को प्रातः 10 बजे हाजिर अदालत आकर पेशी मुकद्दमा करें अन्यथा हस्व जावता कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 30-12-1999 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

नेहर सिंह भारद्वाज  
सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी,  
उप-तहसील धोरा ।

## भाग 6—भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन

—शून्य—

## भाग 7—भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

—शून्य—

अनुपूरक

—शून्य—

## AGRICULTURE DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Shimla-1, the 15th January, 2000

No. Agr. B(2)-8/95.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to place the services of the following Agriculture Development Officers as Secretary with the Market Committees, Bilaspur and Mandi on deputation for a period of one year on the usual terms and conditions annexed herewith:—

Sr. No.	Name of ADO	From	To
1	2	3	4
1.	Shri Kushal Kumar Sharma, ADO.	Secretary, Market	Secretary, Market

## भाग-1

1	2	3	4
		Committee, Mandi.	Committee, Bilaspur against vacant post.
2.	Shri Bam Dev Sharma, ADO.	O/o the Principal, F. T. O. Sunder-nagar.	Secretary, Market Committee, Mandi vice Sr. No. 1.

By order,

AVAY SHUKLA,  
Commissioner-cum-Secretary.

परन्तु  
विचार  
पद के

परन्तु  
को अप  
अपवा  
विचार